इब्रानियों, अध्याय तीन

सुप्रभात, दोस्तो। आज सुबह यहां प्रभु की सेवा में होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। और हम एक महान समय के होने की आशा करते है और भरोसा करते हैं।

2 मैं अभी वापस... जिसे हम डीकन का कार्यालय कहते थे, जहां पर अब रिकॉर्डर रखे हैं, और वहां जॉलियट, इलिनॉय में, बस वहां एक नौजवान महिला और उसकी मां से बात कर रहा था। और मैं तब यही सोच रहा था कि वह लड़की परमेश्वर के अनुग्रह का क्या ही परिणाम है। हम में से ज्यादातर लोग यहां उसे जानते होंगे। वो एक—एक शराबी, बदतर किस्म की लड़की में से एक थी। और मेरे पास आज सुबह तक कहानी स्पष्ट नहीं थी, किस तरह से जब वो मंच पर से नीचे उतर कर गई। प्रभु ने उस पर सब कुछ प्रकट कर दिया था कि क्या गलत था और क्या बात जगह लेने जा रही थी। और वह रोती हुई और आनन्दित होकर मंच से चली गई, क्योंकि परमेश्वर ने उसे एक—एक शराबी की कब्र से बचा लिया था। और वह... एक महिला उसके पास गई और रोना आरंभ किया, कि उसकी बेटी, मैं सोचता हूँ ऐसा था कि वह नशे की आदि थी। और आप जानते हैं, परमेश्वर के अनुग्रह से, उस लड़की को बुलाया गया था (मैं सोचता हूँ, अगली रात थी, रोसेला, उसे बुलाया गया था?), और लड़की नशे से चंगी हो गई। और वह और उसका पति सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं। और—और—और रोसेला जैसी प्यारी छोटी महिला को देखे, और उसने बस अनुभव को पाया है! और अब वह, बहुत ही आदरणीय, उसने एक... वो उसके ह्रदय में एक पुकार को महसूस करती है। लेकिन, ये जानते हुए महिला प्रचारकों के बारे में बाइबल क्या बताती है, वह जानती है कि यह कुछ और है। और परमेश्वर उसकी गवाही को बताने के लिये बन्दीगृहों और इत्यादि में अगुवाही करता है।

3 यह जानना अद्भुत बात है, कि—कि—कि परमेश्वर की इच्छा की खोज करे। कभी-कभी हमारे पास एक अनुभूति होती है, लेकिन हम उस अनुभूति को स्थानों तक ले जाना चाहते हैं; यदि आप नहीं देखते हैं, तो शैतान उस अनुभूति को ले लेगा और उसे किसी चीज़ में बदल देगा। लेकिन

जब तक हम बाइबल में बने रहते हैं, तब तक हम सही होते हैं, आप देखो, हम प्रभु की इच्छा के साथ सही आगे बढ़ रहे होते हैं।

4 और इसलिए मैं सोचता हूँ कि—कि रोसेला अत: कहीं न कहीं मिशन के कार्य क्षेत्र में बदल जाएगी, क्योंकि अमेरिका सुसमाचार को नहीं चाहता।

आप यह जानते हैं। हम बस इसे भी मान सकते हैं कि, यह एंग्लो–सैक्सन के लोग समाप्त हो गए हैं। ऐसा ही है। अब कोई और सुसमाचार नहीं है जिसे अमेरिका ग्रहण करेगा। ओह, आपको कुछ ही बिखरे हुए लोग मिलते हैं, अभी और उस वक्त। लेकिन, बस सुसमाचार के नाई, यह समाप्त हो गया है। और आप उन्हें प्रचार भी नहीं कर सकते है, उनसे बात नहीं कर सकते है। वे कुछ भी विश्वास नहीं करेंगे। समझे? उनके पास बस जो उनके अपने स्वयं के कठोर विचार है, और वे बने हुए है।

और इस राष्ट्र के लिए जो अगली चीज है वो न्याय है। वह भी इसे लेने जा रहा है। यह हो सकता है निराशा के जरिए से हो। यह हो सकता है एक परमाणु बम के माध्यम से हो। यह हो सकता है एक बडी महामारी, एक बीमारी या कुछ और के माध्यम से हो, लेकिन, वो तैयार है। ये आ रहा है। हजारों गुना हजारों गिरेंगे।

5 हम कल, भाई ज़ाबेल और मैं, वहां से होकर गुज़रे... और भाई वुड, वहां केंटकी में से आ रहे थे, जहां पर हम तीन दिनों के लिए थे, और एक आवास परियोजना के पास से होकर गुजरे। भाई ज़ाबेल ने कहा, “वहां नहीं... ” मैं भूल गया। “उन लोगों में से शायद ही कोई, उस परियोजना में ऐसा होगा, जो यहाँ तक किसी कलीसिया में भी जाता हो।”

6 आप उनसे इसके बारे में पूछें। “तो ऐसा है, हमारे पास अपना टेलीविजन है। इस तरह से हम इसमें सुख के साधन को पाते हैं।” देखा? यही अमेरिकी रवैया है। समझे? “हमारे पास टेलीविजन है। हमारे पास बहुत सा पैसा है। हमारे पास अच्छी कारें है, अच्छे घर है। हमें प्रभु से क्या आवश्यकता है? हमें इसकी आवश्यकता नहीं है।” यही हमारा रवैया है।

7 हमारे पास एकमात्र धर्म और उद्धार, और प्रेम है जो वास्तविक ईश्वरीय लोगों के बीच में है। आप जानते हैं, बाइबल ने कहा है कि ऐसा होगा। [सभा कहती है, “आमीन।”—सम्पा।] हूं–हुंह। आप जो बाइबल के पढने वाले है, मैंने आपके जोर से “आमीन,” को सुना है और आप वहाँ जो पीछे प्रचारक है। यह, ये सही है। प्रेम अंत के दिनों में इतना दूर हो जायेगा; वहां

केवल एक ही जगह प्रेम रह जायेगा, जो परमेश्वर के चुने हुए लोगों के बीच में होगा। "पिता, माँ के विरुद्ध होगा, और माँ, पिता के विरुद्ध, और बच्चे, माता–पिता के विरुद्ध होंगे, और भिन्न लोग एक दूसरे के विरुद्ध होंगे।" और एक ही जगह प्रेम रह जाएगा, बस वे निर्वाचित लोग होंगे, केवल चुने हुए लोग। वो शब्द "निर्वाचित" जो शब्द "चुने गए" में से आया है, परमेश्वर के चुने गए लोग।

8 और जब कुछ देर पहले रोसेला कमरे में मुझे कहानी को सुना रही थी, मैं बस सोच रहा था, कि, उस रात को, उसने कहा कि कुछ हुआ है। और यह किस तरह से, उसने कहा, उसके पूरे जीवन भर में, जब वह एक, बस एक शराबी थी, नहीं छोड़ सकी, ना ही शराब को छुड़ाने वाली संस्था कर सकी, चार डॉक्टरों ने उसे छोड़ दिया, कुछ भी नहीं किया जा सकता था, और किस तरह से, उसी क्षण से लेकर, कुछ तो बात ने जगह ली।

9 अब वो आंखों को मटकाने वाली नहीं है। वह तैंतीस वर्ष की एक प्यारी, सुंदर नौजवान महिला है, और वह लगभग बाईस वर्ष की होगी; किस तरह से उस परमेश्वर ने उसके लिए किया जो उसने किया, और किस तरह से वह अलग दिखाई देती है। और, लेकिन मैंने कहा, "रोसेला, दुनिया की नींव डालने से पहले, परमेश्वर ने उस क्षण को ठहराया।" जी हां, श्रीमान। देखा? सही है। और जब वो छोटा सा बिली पॉल वहाँ पर पीछे था, जहाँ पर वह है, उस रात लोगों को प्रार्थना के कार्ड दे रहा था, वह थोडा ही जानता था कि वह किसको प्रार्थना कार्ड दे रहा था।

क्या यह अद्भुत नहीं है, रोसेला?

[बहन रोसेला ग्रिफ़िथ कहती हैं, "भाई ब्रंहम, मैं सोचती हूँ कि क्या कलीसिया प्रार्थना कर सकती है कि परमेश्वर हमारे लिये मार्गदर्शन करे, कि वह कितना बलवंत था।"—सम्पा।]

आमीन। प्रभु आपको आशीष दे, रोसेला। मुझे यकीन है कि हम ऐसा करेंगे। वह चाहती है कि कलीसिया प्रार्थना करे कि परमेश्वर उसका मार्गदर्शन करें। अर्थात्, उसके ना बदलने वाले हाथ का अनुसरण करते हुए। ओह, यह बहुत अच्छा है।

10 आज सुबह मेरे सामने एक बहुत बड़े प्रस्ताव को रखा गया था। यह लगभग कोई तो, एक कई गुना बहु–गुना बहु करोड़पति है जो यहाँ

लुइसविले, केंटकी में यहां देना चाहता है, और मेरे लिए पचास लाख डॉलर का आराधनालय बनाना चाहता है। लेकिन मेरे हृदय के अंदर कुछ तो कहा, "रुको, तुम एक पास्टर नहीं हो।" देखा? तो, फिर, पचास लाख डॉलर का धन जो अनुचित रूप से अपना हो जाएगा। अब सरकार के पास जाना होगा, व्हिस्की और उस तरह के चीजो की तरह भुगतान करना होगा, लेकिन वह उसे प्रभु के लिये आराधनालय में डालना चाहता है। लेकिन मैं आशा करता हूँ कि यह परमेश्वर के किसी सेवक के पास जाता है जो... और परमेश्वर की कुछ सेवा के लिए। लेकिन, वह अब पचास लाख डॉलर अनुचित रूप से अपना हो जाता है। इस पर सोचिए, यह क्या ही आराधनालय को बनाएगा।

देखा कि यह कितना लुभावना दिखता है, रोसेला? लेकिन *यहां* अंदर कुछ तो ऐसा है जो कुछ और ही कहता है। देखा? समझे? *यहाँ* कुछ तो अंदर।

11 हम इस छोटे से, पुराने आराधनालय में आते हैं, आप जो परदेसी लोग है। तो ठीक है, यह यहाँ कोने पर एक आकर्षक जगह हो सकती है, आप यह नहीं जानते है कि लोग इस जगह को निर्माण करना चाहते है और इसे बनाना चाहते हैं। लेकिन यही वो तरीका है जिसे हम पसंद करते हैं। देखिए, हम इसे इस तरह से पसंद करते हैं। पुरानी सीटें उस पर हम बैठते थे, यह—यह यहाँ के आराधनालय के पुरानी मूल सींटे थी, जो बाढ़ में से होकर गयी और तैरने लगी।

12 मेरी बाइबल पुलपिट पर *इस* तरह से खुली पड़ी थी। ये छत से चिपक गयी थी और वापस नीचे आ गयी उस पर एक वचन के साथ, "मुझ यहोवा ने इसे लगाया है। मैं उसे दिन और रात सींचता रहूंगा, ऐसा न हो कि कोई उसे मेरे हाथ से छीन ले।" किस तरह से हम *यहां* एक छोटी नौका के साथ इसके ऊपरी हिस्से पर पहुंचे। और बाइबल ठीक वापस नीचे आ गयी, सीटें ठीक अपने स्थान पर वापस आ गयी। उन्हें बस इतना ही करना था कि इसे साफ़ करें और आगे बढ़ें। देखा? समझे? तो यह ठीक वैसा ही है जैसा हम इसे पसंद करते हैं, जहां यह एक साधारण लोग, साधारण जगह और एक अद्भुत प्रभु है। आमीन।

13 अब, आज, हमारे पास कुछ है, हम अभी ऊपरी मलाई में आना आरंभ कर रहे हैं, आप जानते हैं, सारे उस—उस दूध को निकाल देने के बाद,

और सिर्फ मलाई रहती है। और याद रखें, मलाई को बनाने के लिए दूध की जरूरत होती है, आप जानते हैं। वो—वो मलाई दूध के भीतर की सामग्री है।

14 तो हम 1ले, 2रे अध्याय में थे, और हम 3रे में समाप्त कर रहे हैं, और इब्रानियों की महिमामय किताब के 4थे अध्याय से आरंभ होता है। और, ओह, इस किताब की शिक्षायें! हम तीन महीने तक इसके साथ बने रह सकते हैं, इस एक पद पर, और बस यह दिखा सकते है कि संपूर्ण बाइबल, बाइबल के हर एक पद में जुडी हुई है। क्या आपने कभी ऐसा सोचा? ऐसा एक भी पद नहीं है जिस पर आप अपनी उंगली को रख सके, पर क्या, अनुग्रह और पवित्र आत्मा के सहायता से, कि हम उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक ठीक उसके अंदर जोड़ सकते हैं।

15 ऐसा साहित्य का कोई एक भी और लेख कहीं भी नहीं लिखा गया है जो ऐसा कर सकता हो। और गणितीय रूप से, और भौगोलिक रूप से, हर तरह से, बाइबल में बाइबल की तरह लिखी गई कोई भी किताब नहीं है... संसार में कोई एक किताब नहीं है, मेरा मतलब है, बाइबल की तरह लिखी गयी हो। ऐसा कुछ भी नहीं है। बाइबल के अंक पूरी तरह से सामंजस्य या एक ही लय में हैं; बस यहाँ तक इसके अध्याय भी, और विराम चिह्न, और हर एक चीज, एकदम सिद्ध है। कोई दूसरी किताब नहीं है; आप इसमें से एक अध्याय भी अपने आप में पार किये बिना नहीं पढ़ सकते है। लेकिन वहां सम्पूर्ण बाइबल में एक भी एक दुसरे को काटता नहीं है। और इसे बहुत से, बहुत से, बहुत से लोगों द्वारा लिखा गया था; और सैकड़ों, और सैकड़ों, और सैकड़ों वर्ष के भाग-भाग में, एक भी लेख जाने बिना... किसी एक ने इसे *यहाँ* लिखा, और किसी एक ने इसे *यहाँ* लिखा है, और किसी ने इसे *यहाँ* पर लिखा है। जब यह सब एक साथ बना था, इसने परमेश्वर की बाइबल को बनाया। और ना ही कोई एक और किसी दूसरे एक का खंडन करता है, और, ना ही, कोई गणित, भौगोलिक तौर से। बाइबल की कोई भी चीज़, हर एक चीज, अंक रूप से, हर एक चीज सिद्ध रूप से एक साथ बढ़ती है। क्या यह प्रेरणा से नहीं है, मैं नहीं जानता, आप प्रेरणा को क्या कहेंगे? मैं धन्य, पुरानी बाइबल के लिए बहुत ही खुश हूँ।

16 उनमें से कुछ ने कहा, "क्या आप एक कैथोलिक हैं? प्रोटेस्टेंट है? "

मैंने कहा, “कोई एक भी नहीं हूँ। मैं बाइबल पर विश्वास करता हूँ।” यह सही बात है। मैं बाइबल पर विश्वास करता हूं, और मुझे खुशी है कि हमें अभी भी इस राष्ट्र में इसका प्रचार करने की आजादी है। ओह, यह अद्भुत है।

17 अब हम इसमें से अध्ययन करने जा रहे हैं। और अब हम इब्रानियों की क्िताब की ओर जायेंगे और 3रे अध्याय से आरंभ करेंगे। और हमने 15वें पद पर छोडा था। और अब आप सब...

18 मैंने कुछ समय पहले किसी को ध्यान देते हुए देखा, जब मैंने अपना पढ़ने का चश्मा उठाया। ये ऐसा नहीं है कि मेरी आंखें खराब हैं, लेकिन मेरी उम्र चालीस वर्ष के पार हो चुकी है। मैं इसे ठीक *यहाँ* पर पढ़ सकता हूं, बस सामान्य तौर पर, लेकिन मैं इसे चश्मे से और बेहतर पढ़ सकता हूं। और उन्होंने मुझे पढ़ने वाले चश्मे की एक जोड़ी बना कर दी जिसका मैं उपयोग करना चाहता हूं, क्योंकि मैं इसे बेहतर और जल्दी पढ़ सकता हूं। और यही है जिसके लिए मुझे ये मेरे पास है। अब में...

19 सबसे पहले, हम एक छोटी सी बुनियाद या पृष्ठभूमि को रखना चाहते हैं, क्योंकि हमारे बीच कुछ अजनबी लोग हो सकते हैं, जिन्होंने इब्रानियों की किताब का पहला भाग नहीं सिखा है।

20 क्या आप श्रीमती कॉक्स हैं, जो ठीक यहाँ अंत में बैठी हुई हैं? तो ठीक है, मैं निश्चय ही उसे देखकर खुश हूं। बस इससे पहले में शुरू करूँ, परमेश्वर के अनुग्रह की गवाही के नाई। यहाँ एक कैंसर से पीड़ित एक महिला थी जो उसके मुँह को खा रहा था। वह बहन वुड की मां है। और मैं मिशिगन में जीन और लियो के साथ था, और वे रिकॉर्डिंग को कर रहे थे। और घर के रास्ते में, पत्नी ने मुझे फोन किया, या मैंने उसे फोन किया। उसने कहा, “मिसेज कॉक्स, जो मिसेज वुड की मां है उनके लिए तुरंत ही प्रार्थना करे, क्योंकि कैंसर उनके मुंह को खा रहा है।” ये आंख के बगल में जा चूका है और नीचे हड्डी की ओर, उसके चेहरे के किनारे सतह पर, और बस फैलता जा रहा है। किसी डॉक्टर ने इसके लिए कुछ और ही कर दिया, बस इसे और खराब कर दिया, और बस इसे फैला दिया है; इसमें किसी तरह की दवा को डाल दिया है।

21 और वे उसे वहां नीचे से कैंपबेल्सविले, केंटकी में लेकर आए है, तक… या, मैं सोचता हूँ, एक्टन, केंटकी, लुइसविले की ओर—की ओर, इलाज करने के लिए।

22 और इसलिए श्रीमती वुड, मैंने पहली बार उसे देखा कि वह टूटी हुई थी। क्योंकि, ज़ाहिर है, वह उसकी—उसकी—उसकी माँ थी, और निश्चय ही वो टुटा हुआ महसूस करेगी। मैंने कमरे में जाकर और उसके लिए प्रार्थना की, इस भरोसे के साथ कि परमेश्वर ने कहा कि वह प्रार्थना का उत्तर देगा। और कुछ दिन, वह उससे बाहर थी। और वहाँ वो अब बैठी हुई है। बस उस अद्भुत अनुग्रह के साथ, जो उसने उसके लिए किस तरह से किया है।

23 क्या आप खडी होंगी? मैं आपको एक—एक—एक सार्वजनिक नहीं बनाना चाहता… कहाँ, कैंसर कहाँ पर स्थित था? चेहरे के किनारे पर—पर, वहां देखें, उसके चेहरे के *उस* तरफ, *यहां* नीचे की ओर, उसके गाल की हड्डी तक, उसकी आंख के चारों ओर। और परमेश्वर ने उसे चंगा किया। क्या वह अद्भुत नहीं है?

24 पिछले रविवार कितने लोग यहाँ पर थे यह देखने के लिए कि प्रभु ने एक दर्शन के द्वारा क्या किया? एक मनुष्य, अपंग और अंधा दोनों था, ठीक यहाँ एक व्हील चेयर पर बैठा हुआ था। और मुझे कुछ दुःख हुआ जब यहाँ बैठे उस बूढ़े व्यक्ति ने कहा, "भाई ब्रंहम… " मैं सोचता हूँ कि यह ठीक यहाँ ये वो भाई था। कहा, "ऐसा ही मेरी पत्नी के लिए भी करे।" यहाँ उसकी एक पत्नी है जो अपंग है। मेरा ह्रदय तब पिघल गया। मैं चाहता हूं… मैं संसार में कुछ भी दे देता यदि मैं कर सकता तो, लेकिन ऐसा नहीं है… मेरी सामर्थ में मत रखना। लेकिन यह मेरी सामर्थ और आपकी सामर्थ के लिए रखा है, कि प्रार्थना करे कि परमेश्वर इसे करेगा। उसकी एक अपंग पत्नी है, लकवाग्रस्त हाथ, एक लकवाग्रस्त पैर, ऐसा दिखाई देता है। और इस व्यक्ति की हालत उस से कहीं अधिक ख़राब थी, क्योंकि वह खड़ी हो सकती है और थोड़ा चल सकती है, लेकिन यह व्यक्ति यहाँ तक ऐसा भी नहीं कर सकता था। और वह… उसके दिमाग की, मुख्य संतुलन करने वाली नस जा चुकी थी। मेयोस कई अन्य लोगों ने उसे छोड़ दिया था। और एक कैथोलिक ने उसे यहाँ पर भेजा, एक कैथोलिक डॉक्टर ने; और जैस्पर, इंडियाना में सेंट मीनराड में, उसका लड़का वहां पर एक पादरी

है। लेकिन वह उस वहां आने वाली बेदारी के लिए बुनियाद के पत्थरो को रख रहा है।

25 और जब वह उठ खड़ा हुआ, उसने कहा, “लेकिन मैं नहीं... ” उसने देखा, कहा, “जी हाँ, मैं कर सकता हूं।” उसने सोचा कि वह नहीं देख सकता, आप जानते है। और उस ने ऊपर की ओर देखा, और उसके सिर को उठाकर देखा, और वहां चल सका और देख सका; उस अपने आप से गलियारे से नीचे चला गया। और वे प्रेस्बिटेरियन थे। वह रूढ़िवादी था। और बात करे... आप सोचते हैं कि केवल पेंटीकोस्टल या पवित्र लोग ही चिल्ला सकते हैं; आपको ये ग़लतफहमी है। वे निश्चित रूप से कुछ चिल्ला सकते हैं जब वे ऐसा कुछ होते देखते हैं; एक दूसरे को गले लगाते हुए और चिल्ला सकते है। अपनी व्हील चेयर को धकेलते हुए, सीधे बाहर चलकर गया और सीढ़ियों से नीचे चला गया; चलते हुए, उसके सिर की संतुलित नसों के साथ। इस पर सोचे। आप की तरह चलते हुए या जैसे मैं चलता हूँ। ओह, वो अद्भुत है।

26 अब, पौलुस ने इब्रानियों की किताब लिखी। और इब्रानियों के इस लेखन में, उसने इसे लिखा। और उसके इन किताबो को लिखा, हम देखते हैं... अब, हम जायेंगे... यह एक संडे स्कूल की कक्षा है, और मैं ध्यान देने की कोशिश करूँगा और ज्यादा समय नहीं लूं। और फिर हमारे पास सभाये होंगी, उन्हें आज रात को आगे जारी रखने के लिए, प्रभु ने चाहा तो। अब, इब्रानियों की किताब और पौलुस की बाकी की पत्रियों में...

27 पौलुस कौन था? वह एक कट्टर इब्रानी था, एक विद्वान, और पुराने नियम का महान शिक्षक था। और उसे उसके समय के सबसे अच्छे लोगों में से एक के द्वारा सिखाया गया था। कोई तो बताये उसका नाम क्या था। गमलीएल, उसके समय के महानतम शिक्षकों में से एक। और पौलुस गमलीएल के पैरो के पास बैठता था।

28 इसके बारे में कुछ तो है... आप कहाँ जाते हैं, आप कौन से कलीसिया में जाते हैं, और कौन सा शिक्षक आपको शिक्षा देता है। क्या आप यह जानते थे? ये—ये इसमें कुछ तो बात है। इसलिए हमें सबसे अच्छे की लालसा रखनी चाहिए जिसे हम पा सकते हैं, इसलिए हमें सबसे अच्छा मिल रहा है; इसलिए नहीं कि यह मिलनसार और इत्यादि है, लेकिन वास्तविक बाइबल की शिक्षा है।

29 देखो, एक बार जब इस्राएली उनकी सेना के साथ जंगल के अंदर निकल गए थे, और उनके पास सात दिन का विस्तार था, और वे पानी में से बाहर आते है। और वे नाश होने ही वाले थे, उन्होंने कहा, "ओह, यदि कोई भविष्यव्यक्ता पास होता था!"

30 और उनमें से एक ने कहा, "हम यहाँ नीचे आ गए हैं, एलीशा। उसने एलिय्याह के हाथों पर पानी डाला।" उसके सहयोगियों को देखा? दूसरे शब्दों में, "यहाँ एलीशा है जिसकी एलिय्याह के साथ संगति रही है। प्रभु का वचन उसके साथ है।" आपने इसे समझा? उसे सही सिखाया गया था। और उसने कहा, "वो यहां है। आओ, वहां जाकर हम उस से परामर्श ले, क्योंकि उसका शिक्षक एलिय्याह था, और उसके पास उसमें एलिय्याह की शिक्षा है।" देखिए इससे क्या फर्क पड़ता है? निश्चय ही। हम सीखना चाहते हैं।

31 इसलिए, पौलुस के पास गमलीएल की शिक्षा थी। और गमलीएल वह महान व्यक्ति था जिसने चुनाव किया था, वो खुद एक विद्वान होने के नाते, कि जब यह सब चल रहा था, प्रारंभिक कलीसिया की शुरुआत हुई, उसने कहा, "आओ हम उस पर हाथ को न डालें, भाइयों। यदि यह परमेश्वर की ओर से नहीं है, तो यह कैसे भी शून्य हो जाएगा। लेकिन यदि यह परमेश्वर की ओर से है, और यदि हम इसके विरुद्ध लड़ते हैं, तो हम अपने आप को परमेश्वर के विरुद्ध लड़ते हुए पाएंगे।" देखो, उसने कुछ अच्छी शिक्षा को दिया था।

32 पौलुस इस मनुष्य के हाथ के नीचे ऊपर आया था, और वह जानता था कि पौलुस एक महान शिक्षक था। तो, एक दिन, जो हृदय में सच्चा था, कलीसिया को सता रहा था, वहां उन्हें पकड़ने के लिए जा रहा था।

33 आइए अब हम पौलुस से एक और छोटे रूप को लेते हैं, जब हम हमारे पृष्ठभूमि को लेते हैं।

34 जब यहूदा अपराध के द्वारा, धन के लोभ और जीवन के घमण्ड के द्वारा गिर गया, वह अनुग्रह से गिर गया और उसके स्थान पर चला गया। और चेलों ने कहा, "वहां अवश्य ही बारह होना है।" और कलीसिया, अपनी सारी प्रतिष्ठा के साथ, आपको यह दिखाने के लिए कि कलीसिया क्या है; इसकी सारी प्रतिष्ठा के साथ और अपनी सारी सामर्थ के साथ, यह अभी भी लाखों मील छोटी है, इसके सबसे अच्छे रूप में। उन्होंने कहा, "हमें

यह देखना होगा कि हम में से एक कौन है, जो उस जगह को लेगा।" और उन्होंने चिट्ठी डालकर मत्तिय्याह को चुना। मत्तिय्याह, मैं सोचता हूँ, या मत्तिय्याह। मत्तिय्याह, मैं सोचता हूँ, कि वही है। और जब वे उसे चुनकर और उन बारह के साथ रखा, उन ग्यारहों के साथ, जिसे मिलाकर बारह बनते है, उसने एक काम भी नहीं किया। केवल यही वो समय था जब पवित्र शास्त्र में कभी उसके नाम का उल्लेख किया गया है। वह कलीसिया थी जो अपनी पसंद को बना रही थी।

35 अब उन्होंने सोचा, "वह एक सज्ञन व्यक्ति हैं।" इसमें कोई संदेह नहीं। "वह एक अद्भुत मनुष्य है। वह एक विद्वान है। वह चतुर है। वह शिक्षित है। वह एक अद्भुत व्यक्ति हैं। वो यहूदा की जगह को ले लेगा और हम में से एक होगा।"

36 लेकिन, आप जानते हैं, परमेश्वर कभी–कभी इनमें से कुछ बनाता हैं... हमारी राय में, किसी सबसे मूर्खतापूर्ण चुनाव को करते है। अब, परमेश्वर ने एक छोटे से नोकीले नाक वाले यहूदी को देखा, बस गुस्से से भरा हुआ जितना कि वो हो सकता था, उसका मुंह एक तरफ से घुमा हुआ था, "मैं वहां नीचे जाकर, उनमें से प्रत्येक को गिरफ्तार कर लूंगा। में—मैं उन्हें बंदीगृह में डाल दूंगा। मैं *ऐसा* करूँगा।" यह परमेश्वर की पसंद थी।

उनमें से बाकी ने एक विद्वान और एक राजनीतिज्ञ को लिया। यह कलीसिया की पसंद है।

37 देखो, आप नहीं जानते कि वेदी पर वो कौन है। आप नहीं जानते कि आप किसकी गवाही दे रहे हैं, बंदीगृह में या कहीं पर भी ये है। यह एक लड़ाकू की तरह लग सकता है, उसके कान टूट हुए हो, आँखें घायल हो, और, लेकिन आप नहीं जानते कि वह कौन है। आपने बस अपने चुनाव को डाला, बस इतना ही, उसे वचन को दें। परमेश्वर उसकी पसंद को लेता है।

38 और परमेश्वर ने इस छोटे से झट क्रोध करने वाले यहूदी को चुना, मेरा मतलब उसे चुनता है। वो उसके मार्ग पर है, "मैं वहां जाकर और उन्हें पकड लूँगा। मैं—मैं उन्हें दिखाऊंगा कि मैं इस तरह से क्या कर सकता हूं, " और परमेश्वर ने उसे तब नीचे गिरा दिया।

परमेश्वर ने कहा, "यह मेरी पसंद है, ठीक वहां।"

39 क्या यह कलीसिया के लिए मूर्खता नहीं होगी? “क्यों, वह तो कलीसिया को सताता है। वह एक शारीरिक मनुष्य है।” लेकिन परमेश्वर जानता था कि मनुष्य के अंदर क्या है। समझे मेरा क्या मतलब है?

40 तो, पौलुस के पास एक अनुभव था। कितने लोग विश्वास करते हैं कि परिवर्तन के द्वारा अनुभव आता है? निश्चय ही। यदि ऐसा नहीं होता है, तो मुझे परिवर्तन पर संदेह होगा। एक परिवर्तन अनुभव को लाता है। और आप इसे अब किसी भी चीज़ के लिए जाँच या परख नहीं सकते। कभी–कभी यह हो सकता है चिल्लाना हो। कभी–कभी यह हो सकता है अन्य भाषा में बोलना हो। कभी–कभी यह हो सकता है रोना हो। कभी–कभी यह कराहना भी हो सकता है। आप नहीं जानते कि यह क्या है, इसलिए इसे परखने की कोशिश न करें। क्योंकि, आप में से हर एक जन इसमें गलत साबित हुआ है, आप जो मेथोडिस्ट है, और आप जो बैपटिस्ट है, और आप नाजरीन, और पेंटीकोस्टल है।

41 मैंने देखा है कि लोग जितना जोर से चिल्ला सकते हैं उतना जोर से वे चिल्लाते हैं, और यदि वे कर सकते हैं तो आपके दांतों से सोना भी चुरा लेंगे। जी हां, श्रीमान। मैंने देखा है कि लोग सूखे गाय के चमड़े पर मटर उंडेलने के जैसे अन्य जुबान में बोलते हैं, और—और भलाई के प्रति ईमानदार होते है, मुंह के दूसरी तरफ तंबाकू को चबाते है, और यदि वे ऐसा कर सकें तो आपका गला भी काट लें। यह सही बात है। तो उन्हें बातें ऐसी नहीं... इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि आप इसे साबित कर सके, केवल उस व्यक्ति के जीवन के द्वारा ही साबित होता है। “उनके फलो के द्वारा, तुम उन्हें जान लोगे।”

42 तो, यह सब परमेश्वर पर निर्भर करता है। वह एक चुनाव को करता है। वह चीजों को एक साथ लाता है, और यह इसी तरह से ही होता है। इसलिए यदि आपका जीवन बाइबल के फलों से तुलना कर रहा है, तो आपको एक बहुत अच्छा गर्भधारण हुआ है। यदि आपकी आत्मा उसकी आत्मा के साथ गवाही को देती है, कि आप परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियाँ हैं, आप... सारी पुरानी दुष्ट बातें जा चुकी है, और सब कुछ नया बन चूका है, और आप प्रेम में जी रहे हो, और आपके पास शांति है, और अनुग्रह, और इत्यादि है, आप तब उस समय राज्य के काफी समीप पहुंच रहे हैं।

क्योंकि, जो जीवन आप में है, वह उस तरह के जीवन को उत्पन्न कर रहा है। समझे?

43 यदि आप कहते हैं, "ओह, हाल्लेलुय्या, मैंने अन्य भाषाओ में बोला। हाल्लेलुय्या!" इससे कोई मतलब नहीं है। इसका मतलब इससे ज्यादा कुछ नहीं है कि यदि आप यहां से जाकर और गिटार या किसी चीज पर धुन बजाई हो। इसका एक बात से भी मतलब नहीं रखता है। भले ही आपने अन्यभाषा में बोला, भले ही आपने चिल्लाया हो, और गलियारे में ऊपर–नीचे दौड़ें हो, और आंसू बहाकर रोए तक हो जैसे आप प्याज छील रहे थे, इसका एक बात से भी मतलब नहीं रखता है, एक बात भी नहीं, जब तक कि रोजमर्रा का जीवन बिल्कुल वैसे ही समर्थन नहीं करता, इसके साथ बना नहीं रहता है।

44 अब, यदि आप उन चीजों को करते हैं, साथ ही वो जीवन, "आमीन," करते है, जो, यह ठीक बात है। अच्छी बात है। लेकिन आप उन चीजों को बिना उस जीवन के भी कर सकते हैं।

45 तो फिर, ना कोई चिल्लाना, इस तरह का कोई भी प्रमाण नहीं है। यीशु ने कहा, "उनके फलो से तुम उन्हें जान लोगे।" और आत्मा का फल अन्य भाषा में बोलना नहीं है। यह आत्मा का फल नहीं है। चिल्लाना आत्मा का फल नहीं होता है। रोना आत्मा का यह फल नहीं होता है। लेकिन, प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, भलाई, नम्रता, विश्वास, दीनता, संयम, यही आत्मा के फल होते है। देखा? यही है जो आत्मा के फल होते हैं। तो ठीक है।

46 अब, हमारे पास इन चीजों का कारण है, वे संगठन को बनाना पसंद करते हैं, आप देखो। "तो ठीक है, हमारे पास होगा। परमेश्वर धन्य है, सभी विश्वास करते हैं जिस तरह से *हम* करते हैं, हम *इसी* तरह से जाएंगे। सभी विश्वास करते हैं जैसे *हम* करते हैं, हम *इसी* तरह से जाएंगे।" लेकिन परमेश्वर चाहता है कि सभी *इस* तरह से जाएं, ठीक ऊपर।

47 अब, पौलुस, उसके पास यह अनुभव होने के बाद, तब उसने सोचा कि यह एक अद्भुत अनुभव था। अब, कैसे... आइये—आइये—आइये हम उस अनुभव को थोड़ा सा दोहराएंगें। पौलुस दमिश्क के रास्ते में था, कुछ लोगों को गिरफ्तार करने के लिए जा रहा था, क्योंकि वहां पर सुसमाचार फ़ैल चूका था। *सुसमाचार* का अर्थ होता है "अच्छी खबर।" और वे वहां पर यहाँ–वहां बिखरे हुए थे, और बहुत से लोग उठ खड़े हुए थे, प्रेम,

और आनन्द से भरे हुए और प्रभु यीशु से प्रेम रखने वाले। और ये इस तरह फ़ैल चुका था। इसलिए, पौलुस को महायाजक से कुछ आदेश मिले। उसने कहा, "मैं वहां नीचे जाकर, और मैं उन्हें गिरफ्तार कर लूंगा, हर एक को।"

48 सो उसने पहरेदारों के छोटे से दल को लिया, मन्दिर के पहरेदारों, सिपाहियों को, दूर उस मार्ग पर वो चला गया। जब वे सड़क पर आगे बढ़ रहे थे, और वो बस इतना ही जानता था कि वह क्या करने जा रहा है, अचानक ही, कुछ तो घटित हुआ। अचानक से, उसके सामने वहां एक बड़ा प्रकाश था, महान उजियाला। अब, ये सूरज की तरह चमक रहा था। ऐसा घटित होना अजीब सी बात है। प्रकाश इतना अधिक चमका कि वो बस, उसकी आंखें लगभग जा चुकी थीं। और वो जमीन पर गिर पड़ा। और वह—वह नीचे जमीन पर पड़ा हुआ था, और उसने ऊपर देखा।

49 उसके साथ शायद दस या पंद्रह पुरुष थे। क्या उन लोगों में से किसी ने उस प्रकाश को देखा? नहीं, श्रीमान। पौलुस ने इसे देखा। यह उन पुरुषों को इसे देखने के लिए नियुक्त नहीं किया गया था। इसलिए, कुछ लोग चीजों को देख सकते हैं, जहां पर अन्य नहीं देख सकते हैं। समझे? इसलिए, पौलुस ने उस प्रकाश को देखा, इतना अधिक था कि इसने यहाँ तक उसे अंधा भी कर दिया। वह बहुत दिनों तक नहीं देख सका, यह उसके लिए क्या ही वास्तविकता थी। और वह नहीं देख सका बहुत...

बाद में, जब उसने पत्रीयों को लिखा, तो उसकी आँखों ने उसे बुरी तरह से परेशान किया, इतना तक कि उसने बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा। उसने कहा, "यह देखते हुए कि मैंने तुम्हें बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा है।" वह मुश्किल से देख भी नहीं सका था।

50 वो जेल में था, और उसने प्रभु से उसे चंगा करने के लिए माँगा। और उसने उससे तीन बार परामर्श को लिया। लेकिन प्रभु ने क्या कहा? "मेरा अनुग्रह तेरे लिए काफी है, पौलुस।"

51 पौलुस ने कहा, "तब मैं अपनी दुर्बलताओं में महिमा करूंगा।" क्योंकि, उसने कहा, "और इसलिये कि मैं प्रकाशन की बहुतायत से फूल न जाऊं, मेरे शरीर में एक कांटा चुभाया गया अर्थात शैतान का एक दूत कि मुझे धक्के मारे ताकि मैं फूल न जाऊं।" वह कुछ समय के लिए उसे अच्छा होने लगता है, और फिर से वे झटके लगने लगते हैं।

घूंसे का अर्थ होता है “झटका के बाद झटका।” जैसे समुद्र पर जहाज होता है, आप जानते होंगे, लहरें इसे धक्के मारती है, देखें, झटका के बाद झटका देती हैं।

और वह, वह ठीक हो जाएगा, और बाद में इसे फिर से ऐसा करेगा; फिर ठीक जाता है, फिर से इसे करेगा। उसने कहा, “प्रभु, क्या बात है, आप इसे मुझसे दूर नहीं करते? ”

52 उसने कहा, “मेरा अनुग्रह काफी है, पौलुस। बस आगे बढ़ते रहो।” यह बढ़ता...

53 उसने बोला, “अब यदि—यदि मैं बस सही था, और सब कुछ सही था,” कहा, “फिर जब मैं साथ गया, ओह, मैं फूल जाता हूँ और कहता हूँ, ‘आप देखो, मेरे साथ कुछ भी गलत नहीं है। प्रभु मेरा ध्यान रखता हैं, भाई। हाल्लेलुय्या!’” तब आप खुद की धार्मिकता को ले रहे हैं।

54 परमेश्वर को आपको थोड़ा कुछ तो देना होता है, कभी तो एक बार, आपको थोड़ा नम्र बनाने के लिए, आप जानते हैं। यह सही बात है। एक तरह से आपको एहसास दिलाता है कि वो बॉस या मालिक है। ओह, क्या वह अद्भुत नहीं है? जी हाँ, श्रीमान, बस महिमा करे!

55 तो वह, पौलुस, फिर, क्योंकि, इस महान अनुभव के होने के बाद...

56 अब, यदि यह आज कोई होता, तो वे कहते, “ओह, परमेश्वर धन्य है, हाल्लेलुय्या। लड़के, प्रभु ने मेरे लिए कुछ तो किया है! परमेश्वर की महिमा हो!” लेकिन पौलुस नहीं; वह एक बाइबल का विद्वान था।

57 वह अनुभव अवश्य ही परमेश्वर के वचन से मेल खाना है। जी हां, श्रीमान। यदि यह पूरी तरह से बाइबल में नहीं जुड़ता है... ना ही ऐसे ही *यहाँ* पर देखकर, कहें, “ओह, हाँ, यहाँ यह है ठीक यहाँ पर। परमेश्वर धन्य है, मुझे ये मिल गया।” हुंह–उह। यह इस तरह से नहीं है जो परमेश्वर इसे देता है।

58 इसे अवश्य ही सम्पूर्ण बाइबल होना है, इसका सारा का सारा। क्योंकि, आप... अविश्वासी लोग इस बाइबल का उपयोग उनके आधार पर बहस करने के लिए करते हैं। लेकिन वे *यहाँ* से थोड़ा सा वचन लेंगे, यहाँ से पलटेंगे और *यहाँ* से थोडा कुछ और वचन लेंगे, उन्हें एक साथ जोड़ने की

कोशिश करते है, और यह पूरी तरह से दो अलग–अलग विषय होते हैं। इसलिए, आपको वचन की तुलना वचन के साथ करना होगा।

59 जैसा कि यशायाह ने कहा, 28वां अध्याय, "यह अवश्य ही नियम पर नियम, नियम पर नियम होना चाहिए; थोडा यहाँ, थोडा वहाँ।" "जो अच्छा है उसे कस के पकडे रहो।" देखो, यह इसी तरह से ये आता है: नियम पर नियम, शब्द पर शब्द, वचन पर वचन। ये अवश्य सब एक साथ संकलित होना चाहिए। इसलिए, मैं सोचता हूँ, इन शिक्षाओ में जैसे हम ये अभी ले रहे हैं, यह कलीसिया के लिए बहुत बड़ी चीज है, क्योंकि ये उन्हें उस स्थान पर ले आता है, जहां सारे वचन आपस में जुड़े हुए होते हैं। और हमारा अनुभव अवश्य ही उस वचन के साथ जुड़ा होना चाहिए। ओह, यहाँ है ये! यदि ऐसा नहीं होता है तब यह गलत है।

60 और किस तरह मैं वर्षों तक चला, यह नहीं जानते हुए कि वह प्रकाश क्या था जिसने पौलुस को नीचे गिरा दिया। जब, बाहरी दुनिया, वचन... वे लोग और उन प्रचारको ने मुझे यह बताने की कोशिश की, "यह शैतान की ओर से है। क्योंकि, तुम एक भविष्य बताने वाले बनोगे। तुम एक आत्मिकवाद बनोगे। तुम उसके साथ खिलवाड़ मत करो, बिली। इसके साथ कुछ तो गलत है। तुम ऐसा मत करो, लड़के। यह गलत है। यही वो शैतान है। ठीक है, लड़के, तुम एक नियमित जरिया बनोगे। यदि तुम ऐसा करते हो तो तुम एक आत्मिकवाद बनोगे। ओह, यह सब शैतान की ओर से है। यह—यह सही नहीं है।" लेकिन जब... मैं इसका प्रचार नहीं करना चाहता था।

61 लेकिन जब वो दमिश्क के रास्ते पर था, पौलुस ने इसे प्रचार नहीं करना चाहा, जब तक कि उसने जान नहीं लिया कि यह सही था या नहीं। इसलिए वो तीन वर्ष के लिए अरब में चला जाता है, और वचन का अध्ययन करता है। आह! जब वो बाहर आया, उसने कहा, "अब इसे मुझ में से परिवर्तन कर।"

62 वह जानता था कि उसे फरीसियों का सामना करना था। उसे सदूकियों का सामना करना था। उसे संसार और अन्यजातियों के संसार का सामना करना था। और सो पौलुस, यह बाइबल लिखी गई है, इब्रानियों की यह किताब, इसी उद्देश्य से लिखी गई है। वह उन इब्रानियों को हिला रहा है, और उस पुराने नियम को लेता है और इसे यहाँ नए नियम में दिखा रहा है।

"यह परमेश्वर है," उसने कहा, "यहाँ है यह, सारे भविष्यव्यक्ताओ और हर एक चीज पर—पर।" वहां पीछे आरंभ से शुरू होता है, 1ला अध्याय जो हमने लिया था, "पुर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादों से थोड़ा थोड़ा करके और भांति भांति से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें करके।" इसी तरह से परमेश्वर ने अपने संदेश को लाया, जिसे ऊरीम थुम्मीम द्वारा परखा गया। "परन्तु इन दिनों के अन्त में हम से पुत्र, यीशु मसीह के द्वारा बातें की," उसकी बाइबल के द्वारा जांचा गया। वहां आप हैं।

63 तो ये अनुभव जो संसार कहता है, "ओह, यह मानसिक है। क्यों, कोई नहीं... " जब वह दूत प्रकट हुआ, वो प्रकाश यहाँ नदी पर था, जब मैंने यहाँ कोने पर अपने पहली बेदारी का प्रचार किया, हमने उन सभी लोगों को बपतिस्मा दिया... मैं विश्वास करता हूँ, भाई फ्रेमन, आप शायद इसमें रहे होंगे... मैं नहीं जानता कि आप तब यहाँ थे या नहीं। कितने यहाँ पर थे जब उस—जब उस नदी पर प्रकाश दिखाई दिया? क्या यहां उस पुराने समय का कोई है? हाँ, उनमें से कुछ है। जब यह, यहाँ नीचे नदी पर था।

64 और उन्होंने कहा, "यह सिर्फ एक प्रकाश से संबंधीत भ्रम था।" हममें से बहुत से लोग खड़े हुए थे, इसकी ओर देख रहे थे, और यहाँ पर यह नीचे आ गया। और फिर वर्षों के बाद, परमेश्वर ने इसे एक कैमरे की यांत्रिक आंख के द्वारा साबित कर दिया। यह सच है।

65 "अच्छा, क्या यह—क्या यह कुछ काल्पनिक है, क्या यह कुछ ऐसा है कि—कि... ? " नहीं, श्रीमान। हम इसे ठीक यहाँ बाइबल में से ले रहे हैं और आपको दिखा रहे हैं। यह वही प्रभु यीशु है। वह उन्ही काम को करता है। उसकी क्रिया वही है। उसकी सामर्थ वही है।

66 देखिए, पिछले रविवार, यहाँ। उधर, मेरे बिस्तर पर लेटा हुआ था, अपने जीवन में उस मनुष्य को कभी भी नहीं देखा। बाहर आकर और कहा, "वहां आराधनालय में एक मनुष्य है, और वह अधेड़, काले सिर वाला, अधेड़ होता हुआ। वह अंधा है, और वह चल नहीं सकता है। वह व्हील चेयर पर है। एक काले सिर वाले व्यक्ति ने उसे ऊपर भेजा है; एक डॉक्टर, वो डॉक्टर एकरमैन, एक काले सिर वाला व्यक्ति, कैथोलिक व्यक्ति। एक मनुष्य को यहाँ भेजा, ठीक *वहां* बैठा हुआ था। और यहोवा यों कहता है," वो उठ खड़ा हुआ, अपनी दृष्टि और हर एक चीज को पाकर और बाहर चलकर गया। यह किसने किया? यहाँ पर वही वो दूत

है। ये वही वो एक है जिसने दमिश्क को जाने वाले रास्ते में पौलुस को नीचे गिराया था, वह आज उसके कलीसिया और उसके लोगों में रहता है। यह वचन है जो वचन के साथ तुलना करता है। इसी तरह से ऐसा ही होना चाहिए।

ओह, हमारे पास *गुनगुने* हैं। हम थोड़ी देर के बाद इसमें जायेंगे।

67 ओह, हमारे सामने एक गहरी बात है, यदि हम अभी उसमें उतर सकते हैं, आज और आज रात को। अब यह अब गहरे पानी में उतरना शुरू हो गया है। जहाँ आप...

68 आप जानते है, जब मैं छोटा सा लड़का था, मेरे जगह के पीछे एक छोटा सा तालाब हुआ करता था, और मैं वहाँ जाया करता था। और हम सभी छोटे बच्चे नग्न अंदर चले जाते; छोटे, लगभग छह, सात वर्ष के बच्चे। और हम... पानी लगभग *इतना* गहरा था। यह एक सुअर के कीचड़ के कुंड से अधिक बड़ा नहीं था। और मेरे पास वहां एक साबुन की डिब्बी थी। मैं दिखाता कि मैं गोता लगा सकता हूं; मेरी नाक को पकड़ता, और दिखावा करता, *उस* तरह जाते हुए। और मेरा छोटा सा पेट नीचे कीचड़ से टकराता, आप जानते होंगे, और यह बस ये यहाँ–वहां उड़ने लगता। मैंने अपने पिता को बताया कि मैं तैर सकता हूं।

69 एक दिन वो मुझे पीछे वहां लेकर गये। उन्होंने कहा, “मैं तुम्हें तैरते हुए देखना चाहता हूं।” मैं वहाँ से कूद गया, आप जानते है; मैंने अपने कपड़े उतार दिए, और टिड्डियों का एक छोटा सा झुंड; और नीचे भागा, पानी पर छलांग लगाई। मैं छींटे उड़ाने लगा, कीचड़ हर तरफ उड़ रहा था। और पिताजी एक पुलिया पर बैठे हुए थे। उन्होंने वहां बैठकर और कुछ मिनटों तक मुझे देखते रहे। कहा, “उस पानी के खड्डे में से बाहर निकलो, और खुद को नहलाओ, और घर चलो।” समझे?

70 तो ठीक है, बस यही वो तरीके है, हममें से कुछ जो खुद को मसीही कहते हैं। हम जो कीचड़ में रेंगते हैं। यह सही बात है। जब तक आप जुड़े हुए होते हैं, “मैं एक मेथोडिस्ट हूं। मैं पेंटीकोस्टल हूं। मैं एक प्रेस्बिटेरियन हूं। मेरे पास एक प्रमाण है; मैंने इसे पा लिया।” तुम कीचड़ में रेंग रहे हो।

71 एक दिन मैं अपने चाचा के साथ था। मैं उसे बताता रहता... वह लगभग पंद्रह, सोलह वर्ष का था। हम नदी पर थे। मैंने कहा, “अंकल लार्क, मैं तैर सकता हूँ।” और मैं नाव के पीछे भाग पर बैठा हुआ था, आप जानते होंगे,

अच्छा और सुरक्षित महसूस कर रहा था। उन्होंने तब चप्पू को लिया और मुझे लगभग दस फुट पानी में धकेल दिया। तब यह अलग ही था; सारे छींटे उड़ने लगे, चीखना–पुकारना, आपने अपने जीवन में कभी नहीं सुना।

72 किसी दिन आपको धक्का दिया जाता है, अच्छा होगा की आप जान जाए कि आप कहां खड़े हैं। जी हाँ, श्रीमान। यदि आप उसे जानते हैं, तो आपके लिए... वास्तव में बेहतर होगा कि उसे जान जाए। यह सही बात है।

लेकिन अब हम गहरे पानी में जा रहे हैं, गहरे पानी में, जहाँ यदि आप—यदि आप एक अच्छे, परिपुष्ट मसीही नहीं हैं तो ये आपको डूबा देगा।

73 वचन पर ध्यान दें। पौलुस, उसने पहले इसे पाया। वह पीछे पुराने नियम में चला गया, और उसने इसे पाया। उसने अपने उस अनुभव को पूरी तरह से देखा। "अब वह क्या था जिसने मुझे नीचे गिरा दिया?"

74 यह एक प्रकाश था, बड़ा प्रकाश वहाँ ठहरा हुआ था, सूरज के जैसे चमक रहा था, उसके मुंह के सामने ठहरा हुआ था। उसने कहा, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?"

75 उसने कहा, "प्रभु, तू कौन है जिसे मैं सताता हूं?"

76 उसने कहा, "मैं यीशु हूँ।"

77 "मैंने सोचा कि वो एक—एक मनुष्य था, जिसका जख्मी हुआ हाथ था, जिसका कि वे दावा करते है कि अब सभाओ में प्रकट हो रहा है, जिसके हाथों और सिर में कीलों के निशान है।" नहीं, नहीं; ना ही *उस* शरीर में, *उस* शरीर में नहीं। समझे? अब वो एक प्रकाश है। शाऊल...

78 जब वह यहाँ धरती पर था, उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूँ। मैं वापस परमेश्वर के पास जाता हूं।"

79 वह वो दूत था जिसने इस्राएल के संतान की, इस प्रकाश में, जंगल में से होते हुए अगुवाही की। वो वापस उसी प्रकाश में लौट आया। और पौलुस ने इसे पुराने नियम में से देखा। उसने कहा, "मैं यीशु हूँ, वाचा का दूत।"

80 और वो हमें छुड़ाने के लिए देहधारी बना। "दूतो का रूप धारण नहीं किया," हम पिछले अध्यायों में पाते हैं, हम अध्ययन कर रहे हैं। "उसने कभी भी दूतो के स्वभाव को नहीं लिया, लेकिन वह अब्राहम का बीज था," जिससे कि उसे जाना जाए, कि मनुष्य परमेश्वर को *देख* सकें। आमीन।

अब वो कहता है, “मैं उस पर वापस आऊंगा।”

81 और जब पौलुस ने यह देखा, उसने कहा, “निश्चय ही, यह वो था। यह वही था।”

82 पतरस के पास एक रात को एक अनुभव हुआ जब वह प्रार्थना कर रहा था। वही प्रकाश ईमारत के अंदर आया, उसके सामने के दरवाजे खुल गए, वो रास्तो में निकल कर चला गया। और पतरस ने सोचा कि वह स्वप्न देख रहा है; वो इतना अभिषेकित हुआ था। उसने नहीं जाना कि क्या बात ने जगह ली। उसने कहा, “क्या मैं जागकर उठा हूँ? लेकिन मैं तो यहाँ रास्ते पर हूँ।”

83 और वो यूहन्ना मरकुस के घर चला गया। और छोटी लड़की ने दरवाज़ा खोला, वहाँ कोई छोटी सी महिला जो एक प्रार्थना की सभा में थी। कोई तो दरवाजा खटखटा रहा था। दरवाजे को खोला। “ओह,” उसने कहा, “यहाँ ठीक अभी पतरस है। आप उसके लिए बंदीगृह से बाहर आने के लिए प्रार्थना कर रहे हो। प्रभु ने उसे छुड़ा लिया है।”

84 “ओह,” उन्होंने कहा, “प्रार्थना करते रहो।”

“हे प्रभु, उसे छुड़ा ले!”

85 “क्यों,” उसने कहा, “वो तो दरवाजे पर खड़ा है, खटखटा रहा है।”

पतरस बस आवाज़ करता रहा, “मुझे अंदर आने दो।”

86 “ओह,” उसने कहा, “यह तो पतरस है।” उन दिनो, उनके पास अभी भी है, छोटी सी कड़ी। यहाँ द्वार पर छोटा सा ढक्कन होता है, तुम ऊपर उठा कर और बाहर देखते हो, समझे। इससे पहले कि आप अपने मेहमान को अंदर आने दें, आपको यह जानना होता है कि आपके दरवाजे पर कौन ख़टखटा रहा है। क्योंकि, उनके पास लुटेरे हुआ करते थे; यदि आप दरवाजे को खोलते है, तो वे तुम्हें मार डालेंगे।

87 तो, उन्होंने दरवाजा खोला। उसने कहा, “यह तो पतरस है।”

88 उन्होंने कहा, “ओह! मेरे प्रभु, वो तो मर चुका है। यह वहां पर उसका दूत खडा है। देखा? वो उसके महिमामय शरीर में है, आप जानते हैं, वो दैविक शरीर।”

89 याद है कि हमने इसे किस तरह से लिया, वो बड़ा हीरा, यह कैसे प्रकाश को प्रतिबिंबित करता है, कैसे यह वहां वापस चला गया? वो...

"यह धरती पर का डेरा सरीखा घर गिराया जायेगा, हमारे पास पहले से ही एक है जो रुका हुआ है।"

और उन्होंने सोचा कि पतरस मर गया है, यह पुराना शरीर गिर गया था, और वे इसे कुछ दिनों में गाड़ देंगे, उसने उसके दूत में प्रवेश किया था, या उसके महिमा–... ना ही महिमामय शरीर में, लेकिन उसके दैविक शरीर में, वो शरीर जो पहले से ही तैयार की गयी है। यह आपके हाथो को नहीं मिला सकता। उसके पास इस तरह से मिलाने के लिए हाथ नहीं है, लेकिन यह एक मनुष्य के स्वरुप में होता है। "नीचे आकर, और दरवाजे पर खटखटा रहा था।"

90 उसने कहा, "नहीं, यह पतरस है। वह वहां पर खड़ा हुआ है।" उसने दरवाजा खोला और चलकर अंदर गया। वहाँ वो था। अब, पतरस को इस प्रकाश के द्वारा छुड़ाया गया था।

91 अब, उसी तरह आरंभ कि... उस पौलुस, आरंभ की कलीसिया में, उसने उस परमेश्वर के प्रकाश को देखा जो पौलुस पर चमका, वही चीज नीचे उतर आयी। अब, लोग कुछ भी कह सकते हैं, यह इसे सही नहीं बनाता है। लेकिन जब परमेश्वर कुछ भी प्रमाणित करता हैं, तो उसका कार्य उसे प्रमाणित करता है। फिर, कैमरा इसे प्रमाणित करता है। और वह सब कुछ जो हम... जो प्रभु ने किया है, यह पूर्ण रूप से, अचूक रूप से सिद्ध हो चुका है कि यह परमेश्वर है, वचनों के द्वारा, उसकी प्रतिक्रिया के द्वारा, अनुभव के द्वारा। लेकिन वे नहीं सुनेगे।

92 यहाँ इस आराधनालय में देखो। अब, याद रखना, आप इसे जानते हो। हम भीड़ की लालसा नहीं रखते है। हमारे पास वैसे भी उन्हें बैठाने के लिए जगह नहीं है। लेकिन, देखो। इस प्रकार की एक सभा, जहां हम इसके लिए एक साथ एकत्र हो रहे है, फाल्स के शहरो को आकर्षित करना चाहिए। लेकिन वे मरे हुए हैं। वे पूरी तरह से मरे हुए हैं। उनके पास आंखें हैं लेकिन वे देख नहीं सकते।

तुम कहते हो, तुम, "क्यों, भाई ब्रंहम, क्या वे डॉक्टर के पास जाकर अपनी आँखें ठीक नहीं करवाते? " वो उस प्रकार के देखने को ठीक नहीं कर सकते है।

93 यीशु ने कहा, "यदि तुम मुझे जानते होते, तो तुम मेरे दिन को जानते।" उसने कहा, "हे अंधे फरीसियों। तुम आसमान को देखकर परख सकते हो, लेकिन समय के चिन्हों को आप नहीं परख सकते।"

94 क्या यह आपके सिर के ऊपर से जा रहा है? सुनना। उन चिन्हों की ओर देखें जिनमें हम रह रहे हैं। अब, यह बस कुछ ऐसा नहीं है... मैं, खुद, मैं बस एक मनुष्य ही हूं, यहां तक कि एक प्रचारक भी नहीं हूँ, कि इसके बारे में बात करूँ। मेरे पास कोई शिक्षा नहीं है, जिसे दुनिया "एक प्रचारक" बुलाती है। और हम बस गरीब लोग हैं। इस ईमारत की ओर देखो जिसमें हम हैं। आज सुबह उन गिरजाघरों की ओर देखें। लेकिन देखो कि परमेश्वर कहाँ पर है। वहाँ वो बात है।

95 वैसे ही मोआब वहां उसके सारे वैभव और उसके सुंदरता में खड़ा था, लेकिन इस्राएल वहां उसके तंबू में था। लेकिन परमेश्वर कहाँ पर था? वहाँ नीचे छोटा पवित्र–शोर मचाने वालो का एक झुंड था, हर एक चीज को वहाँ करना ये गलत था। परन्तु बिलाम, उनका—उनका बिशप, उस प्रहार की हुई चट्टान, को, उस पीतल के सर्प को, उस अग्नि के स्तंभ को देखने से चुक गया। उसकी आंखें अंधी थीं। वह इसे नहीं देख सका। उसने कहा, "वे बस इसकी कल्पना कर रहे हैं।" लेकिन वो वहां पर था।

96 परमेश्वर धन्य हो, ओह, वो यहाँ है! परमेश्वर यहाँ पर है, और वह उसी काम को कर रहा है जो उसने किया है। और वह चाहता–... हम वचन की तुलना वचन से करते हैं। परमेश्वर ने धरती पर कभी भी अपने आप को कुछ बड़ा चित्रित करके नहीं बताया है, लेकिन वह हमेशा ही साधारण और नम्र लोगों के बीच रहता है। और वो आज सुबह यहाँ है, उसी काम को कर रहा है। वचन इसे प्रमाणित करता हैं। कैमरा इसे प्रमाणित करता है। अब, यही वो कारण है कि मैं उस तस्वीर का उल्लेख करता हूं, ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि मैं वहां उस तस्वीर में हूं। मैं—मैं तो बस एक पापी हूँ, अनुग्रह के द्वारा बचाया गया, जैसे आप हो। लेकिन मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूं, वो ये है कि ये उसकी उपस्थिति हमारे साथ है। यही वो मुख्य बात है। तो ठीक है, यदि उसने मुझे एक—एक देहधारी एलीशा बनाया, यदि आपके पास विश्वास नहीं होता है कि इस पर विश्वास करे, तो इससे आपका कभी भी भला नहीं होगा।

“वह उसके अपनों के पास आया, उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया।”

97 यही वो कारण है कि आज यहां शहर में हूँ। क्यों, मैं यहाँ एक बेदारी शुरू कर सकता हूँ, किसी बड़ी इमारत या कहीं किसी में, आपको कभी भी इस पर विश्वास करने वाले बहुत से लोग नहीं मिलेंगे। वे बस नहीं करेंगे। वे नहीं कर सकते। उनके दिन खत्म हो गए है।

98 यही शिक्षा, आज सुबह, अफ्रीका में, हो सकता कम से कम दस हजार को उत्पन्न करे, मसीह के लिए दस हजार प्राण; जहां हो सकता है आज सुबह एक पापी यहाँ बैठा हुआ हो, या ऐसा ही कुछ तो, कोई पीछे हटा हुआ बैठा हो। उनमें से अधिकांश ऐसे है जो बस पूरी तरह से बारीकी से तलाश कर चुके है इतना तक ये अब समाप्त हुए है। ऐसा ही है।

99 लेकिन हम जो कहने की कोशिश कर रहे हैं, वह यह है कि वचन की तुलना वचन से करना है। अब, कोई फर्क नहीं पड़ता कि अनुभव कितना बड़ा है, जब तक कि इसकी तुलना वचन से नहीं होती है, यह गलत है।

वो ऊरीम तुम्मीम, कोई फर्क नहीं पड़ता भविष्यव्यक्ता कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसने बोला और ऊरीम तुम्मीम पर वो प्रकाश नहीं चमकता, तो यह गलत था। सपना कितना भी अच्छा दिखाई पड़े, यदि यह ऊरीम तुम्मीम पर नहीं चमका, तो यह गलत था।

जब उस याजकगण समाप्त कर दिया, परमेश्वर ने उसकी बाइबल को ऊपर रख दिया। पौलुस ने कहा, “यदि स्वर्ग से कोई दूत भी आकर,” गलातियों 1:8, “और जो कुछ तुम्हें प्रचार किया गया है, उसके अलावा कोई और सुसमाचार को प्रचार करे, वह शापित होने दो।”

100 स्वर्ग के दूत ने यूहन्ना उस प्रकट करने वाले से कहा, जो स्वयं परमेश्वर था, “मुझ यीशु ने अपने दूत को भेजा ताकि प्रमाणित करूं, या इन बातों को दिखाऊँ।” उसने कहा, “यदि कोई मनुष्य उसमें एक शब्द भी जोड़े, या उसमें से एक शब्द निकाले, उसी तरह उसका जीवन की पुस्तक में से निकाल लिया जाएगा।” *यह* ऐसा ही है, बाइबल।

101 इसलिए, ये अनुभव और ये चीजें जो हमारे पास यहां होनी हैं, यदि यह परमेश्वर के वचन द्वारा प्रमाणित नहीं होती, तो यह गलत होगी; मैं परवाह नहीं करता कि क्या बात जगह लेगी, यह गलत होगा। तो यह वचन अनुसार

है, पूरी तरह से सत्य। ओह, मैं बहुत खुश हूँ कि मैं मसीह की महान देह का एक सदस्य हूँ।

102 अब, आइये हम आगे बढे, हम विषय पर आ रहे हैं। अब, हमने यहाँ पर समाप्त किया जहाँ उसने कहा, "देखते हुए कि हम पर दया कर रहे हैं... " ना ही... मुझे क्षमा करना। यही है, मैं 12वे अध्याय से हवाला दे रहा था। मैं इसे पढ़ रहा हूं, लेकिन मैंने इसका अध्ययन नहीं किया है। मैं...

103 भाई नॉर्मन, वहाँ मेरे घर पर रुके हुए हैं, और वो जानते है कि मुझे बस कल का दिन ही मिला था, और वहां पर भाई लोग ये जानते है, मैं अभी–अभी अंदर आया। केवल जो समय मुझे मिला कि वचन को पढ़ूं, जब मैं ठीक वहां कुछ मिनट पहले बैठा हुआ था। यह सही बात है। इसका अध्ययन न करें, मैं बस पवित्र आत्मा के लिए रुका हुआ हूं कि वह इसे उसी तरह से दे जैसा वो चाहता है। वह जानता है कि व्यक्ति कहां पर—पर है, जिसके पास ये होना है। तो यदि मैं मेरे मन से कुछ तो बनाता हूँ, जो मैं कहने जा रहा हूं, तो यह गलत है। लेकिन यदि मैं उसे ऐसा करने देता हूं, तो वो इसे सीधे उस स्थान पर ले जाएगा जहां से ये संबंध रखता है। समझे? "किसी विचार को मत लेना कि तुम क्या कहोगे, क्योंकि यह तुम नहीं हो जो बोलते हो, यह तुम्हारा पिता है जो तुम में वास करता है। वो बोलता है।"

104 अब, अंतिम अध्याय, पिछला अध्याय, हमने इसे सुना, कि, "हम भला कैसे बच निकलेंगे, यदि हम इस महान उद्धार को अनदेखा करते हैं; जिस की चर्चा पहिले पहिल प्रभु के द्वारा हुई, और उसे सुनने वालों के द्वारा वे जिन्होंने उसे सुना? " उन्ही कामो को यीशु ने किया, ये दिखाने के लिए, वही वे काम यहां जगह लेते हैं: वही परमेश्वर का दूत, वही कार्य, वही प्रमाण, हर एक चीज वही, हर एक चीज साथ में, वही सुसमाचार, ठीक वचन के साथ। "यदि यह प्रभु के द्वारा सिखाया गया था, तब उसके चेलो ने पुष्टि की कि हमने सुना है, " उसी पौलुस के होने पर, "हम भला कैसे बच निकलेंगे, यदि हम ऐसे महान उद्धार को अनदेखा करते हैं? "

105 अब, पौलुस अपने इब्रानी श्रोतागणों से कह रहा था। अब, उनके पास टेप रिकॉर्डर नहीं थे, जैसे आज हमारे पास यहां है। लेकिन उनके पास ऐसे शास्त्री–पुरुष थे जो वहां बैठे हुए थे, और जैसे–जैसे पौलुस प्रचार कर रहा था, वैसे–वैसे वे उसे लिखते जा रहे थे।

और ऐसा ही है जो ठीक यहाँ पर है। हम इसे टेप रिकॉर्डर के द्वारा ले रहे हैं, और ये टेप दुनिया भर में जाते हैं, देखो, यह दिखाने के लिए कि यह सत्य है। हमारा धर्म व्यर्थ में नहीं है, यह पूरी तरह से पुनरुत्थित यीशु मसीह है, वही चीज। अब हमें अवश्य ही इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए।

106 अब, बस यहाँ कलीसिया से आज दूर जाकर और ऐसे ही मत कहना, “खैर, मुझे वहाँ जाने में बहुत आनंद आता है। मैं गायन पसंद करता हूँ, और उस छोटे से पुराने कलीसिया के सारे मित्रतापूर्ण लोग हैं।” ऐसा मत करना।

107 भाई, आपके ह्रदय को अग्नि की ज्वाला बनने दो, कहे, “यहाँ, मुझे इसके विषय में कुछ तो करना है। मुझे बाहर जाकर और देखना है कि क्या मैं किसी को बचा सकता हूं।”

108 और बाहर जाकर, ऐसा मत कहना, “परमेश्वर धन्य हैं, यदि तुम पश्चाताप नहीं करते हैं, तो तुम नाश हो जाओगे।” नहीं।

इसे विनम्रता से करे। “सर्प के नाई चतुर बनो, कबूतर के नाई भोले बनो।” देखो, करने का यही तरीका है। उस व्यक्ति के पास जाये, यदि वो मुर्गियों का पालन कर रहा है, तो उससे कुछ देर के लिए मुर्गियों के बारे में बात करें। समझे? और उसके बाद, पहली चीज जो आप जानते हैं, आप प्रभु के बारे में बात कर रहे होंगे। यदि वह किसान है, तो उसके खेत के विषय में बात करें।

109 यदि वह मोटर–गाडीयों को बेचता है, तो थोड़े समय के लिए उसके मोटर–गाडीयों के बारे में बात करें, “तुम्हारे पास कितनी अच्छी कारें है,” और इत्यादि। देखा?

110 जब तक आप आत्मा को पकड़ नहीं लेते, जब पिता कहता हैं, “अब उसके प्राण के विषय में उसके पास जाने का समय है।”

111 आप इसे मोड़ सकते हैं, देखो, “यह एक अच्छी मोटर–गाडी है। आप जानते है, आज परिवहन करना, बहुत ज्यादा हो चूका है। ओह, इससे किस तरह से राष्ट्रों को एक साथ लाया गया है; और हमारे राष्ट्रों के शहर, एक दूसरे के निकट हुए हैं। मित्र और माताये एक दूसरे से मिलने आ जा सकते हैं। आप जानते हैं, आप जिस तरह से मोटर–गाड़ियाँ बेच रहे हैं, यह एक अच्छी बात है।”

112 "जी हां, श्रीमान। यह निश्चिय ही है। हूँ–हुंह।" आप जानते होंगे, उसके सिगार को फूंकते हुए, या जो कुछ भी है। "जी हाँ, वे, वे अच्छी कारे हैं।"

113 "क्या आपने कभी सोचा है कि पुराने जमाने के लोग यदि ऐसा कुछ देखते तो क्या सोचते? " बस ऐसे ही बात करते रहे, आप समझते है।

कुछ देर बाद कहे, "हाँ, जी हाँ, निश्चय ही है।"

114 "आप जानते हैं, यह एक और काम को करता है, यह उन्हें लाता है जैसे हमारे पास होता है, जैसे बेदारियों में। लोग देश भर से, जल्दी से, बेदारी के लिए आ सकते हैं।" देखो, आप हर समय मार्ग को खोल रहे हैं, आप जानते हैं।

115 यदि आपको महसूस होता है कि मार्ग में कुछ रूकावट है, तो वहीं रुक जाये, *यहां* से आगे बढ़ें। जैसे एक डॉक्टर ने फीनिक्स में कहा, कहा, "प्रभु, मेरे मुंह को अच्छे शब्दों से भर दीजिये, और उसके बाद जब मैंने बहुत बोल दिया हूँ तो मुझे कुहनी से इशारा कीजिये।" आप समझे? जी हां। "जब मैंने बहुत बोल दिया है तो मुझे कुहनी से इशारा कीजिये।"

116 अब, अब ध्यान दें, हम 15वें अध्याय से शुरू करने जा रहे हैं, मेरा मतलब 3रे अध्याय के 15वें पद से, अब नजदीक से।

> *जैसा कहा जाता है, कि यदि आज तुम... उसका शब्द सुनो, तो अपने मनों को कठोर न करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के समय किया था।*

117 अब पौलुस को यहां बोलते हुए देखें। अब ये कहा गया है, "आज, बहुत समय के बाद।" हम कुछ समय के बाद इसमें जायेंगे, कि, "आज, बहुत समय के बाद।" अगले अध्याय में आता है, "इतने लंबे समय के बाद।"

> *... जैसा कहा जाता है, कि यदि आज तुम... उसका शब्द सुनो, तो अपने मनों को कठोर न करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के* दिन *किया था,* जब उन्होंने परमेश्वर को क्रोध दिलाया।

118 अब आइये अगला पद पढ़ते हैं।

> *क्योंकि कुछ लोगों ने, जब उन्होंने सुना, क्रोध दिलाया:...*

अब वह किस बारे में बात कर रहा है? सुसमाचार।

> *... क्या उन सब ने नहीं जो मूसा के द्वारा मिसर से निकले थे।*

और वह चालीस वर्ष तक किन लोगों से रूठा रहा? क्या उन्हीं से नहीं, जिन्हों ने पाप किया, और उन की लोथें जंगल में पड़ी रहीं?

119 आइए यहां एक मिनट के लिए रुकें। *क्रोध दिलाना,* "जब उन्होंने क्रोध दिलाया।" अब परमेश्वर ने क्या किया? अब पौलुस बोलने की कोशिश कर रहा है। ये क्या है जो उन्हें मिस्र से बाहर ले आया? क्या यह मूसा था? नहीं। मूसा, तो देह का साधन या जरिया था।

120 अब हमें यहां एक बुनियाद मिली है। हम अब सीधे इसे लेना चाहते हैं। जब हम इस स्थान पर कुछ ही मिनटों में यहाँ पहुँचते हैं, तो आप—आप इसे देखेंगे।

121 अब, परमेश्वर के पास अस्थिर विश्राम के साथ उसके लोग थे। वे वहां मिस्र में थे। वे उनके सही स्थिति से बाहर थे। वे उनके अपने देश से बाहर थे। वे परदेसी और यात्री थे, और परमेश्वर उन्हें उस मिस्र में—में से उस ठिकाने से, लेकर आनेवाला था, उनके अपने देश तक।

122 जो आज का एक नमूना है; हम स्थिर नहीं हैं। यहां ये ज्यादा समय नहीं लेता है। छोटे गोल–मटोल लड़के कंचे खेलते है, छोटी लड़कियां गुड़िया के साथ खेलती हैं; पहली चीज जो आप जानते हैं, आपके बाल सफेद हो जाते हैं, और झुर्रीयां पड जाती हैं। यहाँ कुछ तो गलत है। यह घर नहीं है। हम गलत जगह पर हैं। इसलिए हम कहते हैं कि हम यात्री और परदेसी हैं। कुछ तो घटित हुआ है।

123 एक छोटी सी महिला ने आज सुबह कमरे में कहा कि कैसे लोग उस पर कभी–कभी हंसते हैं। मैंने कहा, "लेकिन, बहन, प्रिय, तुम उन लोगों में से नहीं हो।" हम एक अलग ही लोग हैं।

124 मेरी छोटी लड़की ने कहा, "पिताजी, कुछ *फलां–फलां* लड़कियों ने *फलां–फलां* बातो को किया जो उन्होंने किया है।"

125 मैंने कहा, "लेकिन, देखो, प्रिय," उनके पास एल्विस प्रेस्ली के ये रिकॉर्ड थे, मैंने कहा, "मैं उन्हें अपने घर में नहीं चाहता हूँ।"

126 उसने कहा, "लेकिन, पिताजी, वे भली छोटी लड़कियां हैं।"

127 मैंने कहा, "वे हो सकती हैं। मुझे इसके विरोध में कुछ नहीं कहना है। लेकिन वहां एक बात है, हम अलग हैं। हम अलग हैं। ऐसा नहीं है कि हम

अलग होना चाहते हैं, लेकिन हमारे अंदर जो आत्मा है वो उसमें से बाहर आयी है। तुम दूसरी दुनिया की हो।"

128 जब मैं अफ्रीका जाता हूं, तो मैं उनके—उनके—उनके जीने के तरीके के साथ व्यवस्थित नहीं हो सकता हूं। वे कोई कपड़े नहीं पहनते हैं। वे नग्न होते हैं। और वे कुछ तो सडी हुई चीज को उठाते हैं, उसमें कीड़े पड़ जाते हैं, वे इसे खाते हैं, कैसे भी हो, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। समझे?

129 और यह अलग है। आप जानते है, एक समय हम सब ऐसे ही थे, लेकिन सामाजिक विकास ने हमें आगे लाया और हमें अलग बनाया।

और मत-परिवर्तन ने इसे दोगुना करके लाखो में कर दिया है। हम संसार की सड़ी-गली चीजो को अब और नहीं चाहते। मसीह ने हमें मसीही बनाया है, जैसे सामाजिक विकास ने हमें स्वच्छ बनाया है। और ध्यान दें, केवल इतना ही नहीं, लेकिन हम दावा करते हैं कि हम यात्री और परदेसी हैं। हम संसार के नहीं हैं। फिर, आप संसार से कोई लेना-देना नहीं रखना चाहते है। और वे चीजें जा चुकी हैं।

130 अब, इस्राएल वहां मिस्र में था। वे मिस्रवासी नहीं थे। मिस्रवासी, एक मिस्री के लिए भेड़ पर हाथ रखना ये एक अपमान की बात थी। और इस्राएल चरवाहे थे। और यह अवश्य ही मूसा को कैसा लगा होगा, एक मिस्री होने के सारे अपमान पर भी, पशुपालक था।

क्या आपने ध्यान दिया कि फिरौन ने यूसुफ और इत्यादि से क्या कहा था? "यह एक घृणित बात है।" कहा, "तुम्हारे लोग चरवाहे हैं।" और यहाँ तक एक मिस्री भेड़-बकरियों पर हाथ भी नहीं रख सकता था। वह एक अलग लोग थे।

131 और आज ऐसा ही एक मसीही के साथ होता है, जब वो नये जन्म को लेता है। यह... उसके लिए वहां संगति करना गंदी बात है जहां लोग शराब पी रहे हैं और गंदे चुटकुले सुना रहे हैं, और नग्न महिलाएं हो। और हर एक... यह, यह—यह गंदगी है। ओह, प्रभु धन्य हो! हम यहां यात्री हैं। हम यहाँ परदेसी हैं। आत्मा बदल चुकी है, और हम एक ऐसे नगर के लिए देख रहे हैं जहां महिलाएं छोटे कपडे न पहनती हो। हम एक ऐसे नगर के लिए देख रहे हैं जहां उनके पास बियर का शराबखाना नहीं होता है। हम एक ऐसे नगर के लिए देख रहे हैं जहां धार्मिकता वास करती है। सो, हम यात्री हैं।

132 तो, परमेश्वर अग्नि के एक बड़े गड्ढे में नीचे उतर आया, एक तेजोमंडल के नाई, तेजी से एक झाड़ी में उतर आया और पहले अपने आप को मूसा के सामने प्रकट करना आरंभ किया। मूसा ने कहा...

आप जानते होंगे कि उस रात हमने किस तरह से विषय को लिया था, कि जब यीशु यहां धरती पर था, तो उसने कहा, "तो, इससे पहले मूसा था, **मैं हूँ**।" यह जलती हुई झाड़ी में, अग्नि के खम्भे में यीशु था। यह आज वही यीशु है।

और उसने अपने आप को अग्नि के खम्भे में प्रकट किया, और मूसा ने अनुभव को पाया। वो मिस्र के अंदर चला जाता है। वो सुसमाचार का प्रचार करता है, अच्छी खबर, और चिन्ह और अद्भुत कार्य उसके पीछे–पीछे आये। आपने इसे समझा? वही बात आज है।

133 इतना ही नहीं, लेकिन जब वे इब्रानी लोग बाहर निकले, उजियाले में चले, तो उनका नेतृत्व उसी अग्नि के खम्भे द्वारा किया गया। और बाइबल ने कहा कि, "परमेश्वर की परीक्षा नहीं लेना।"

134 इसे देखना। मुझे इसे पढ़ने दो।

> *सो जैसा ये कहता है, कि यदि आज* तुम... *उसका शब्द सुनो, तो अपने* हृदय *को कठोर न करो,* (उसकी आवाज़ तुम्हारे हृदय से बोल रही है।) *जैसा कि क्रोध दिलाने के समय।* (जब उन्होंने उसे क्रोध दिलाया।)

सुनना।

> *क्योंकि कुछ लोगो ने, जब उन्होंने सुना, तो उन्होंने क्रोध दिलाया:...*

135 कितने लोग जानते हैं कि इस्राएलियों ने उनके अविश्वास से परमेश्वर को क्रोध दिलाया था? वे कुढ़कुढाये, वे, पूरी तरह से। परमेश्वर सीधे वहां चला गया। और जब वे पूरी... पहली बात, वे मुसीबत में पड़ गए।

यहां उनके ऊपर यह अग्नि का खंभा था। मैं नहीं जानता कि उन सभी ने इसे देखा या नहीं। कम से कम, मूसा ने इसे देखा। और वह उनके ऊपर था, और उन्होंने इसकी ओर देखा। और जब वे नीचे आते हैं... मान लो कि यदि उन्होंने इसे नहीं देखा, तो मैं नहीं जानता कि उन्होंने देखा या नहीं। ये उनके आगे चला गया। बाइबल ने कहा कि यह वहाँ था।

136 यह कहा, "तारा ज्ञानी पुरुषो के आगे–आगे गया।" इसे किसी ने नहीं देखा सिवाय ज्ञानी पुरुषो के। यह हर एक वेधशाला के ऊपर से गया। उन्होंने तारों के द्वारा समय रखा। इसे किसी ने नहीं देखा सिवाय ज्ञानी पुरुषो के। यह उनके लिए ही था कि इसे देखे, और वे ज्ञानी पुरुष ही थे जिनके लिए तारा भेजा गया था।

137 और अग्नि का खम्भा मूसा के लिए भेजा गया, और मूसा को इस्राएलियों के लिए भेजा गया। और उन्हें मूसा का अनुसरण करना था। वे मूसा को देख सकते थे, और मूसा ने प्रकाश को देखा।

वहां वे चले गए। तब वे छोड़ कर निकल रहे थे। और जब वे बाहर निकले, वे लाल समुद्र के पास पहुंच जाते हैं। और, ओह, उन्होंने—उन्होंने अद्भुत कार्यो के वे सब चिन्ह और चीजो को घटित होते हुए देखा था जब वे अभी भी वहां मिस्र के पुराने देश में—में ही थे, लेकिन जब वे अपनी यात्रा में वहां से बाहर निकले, बस परिवर्तित होकर और बाहर निकाले गए। फिर, पहली बात जो आप जानते हैं, वे मुसीबत में पड़ गए।

138 परमेश्वर आपको परेशानी में लाना पसंद करता हैं। वो परेशानी को वहां रखना पसंद करता है और देखता है कि आप इसके बारे में क्या करेंगे। तब उस ने बस लाल समुद्र को रोक दिया, और पहली चीज जो आप जानते है, उन्हें इस स्थान में से होकर चला कर सीधा बाहर ले गया, फिर उनके पीछे फ़िरौन को भेजा। देखा कि किस तरह से परमेश्वर इसे करना पसंद करता है? वो उसकी सामर्थ और प्रेम को प्रदर्शित करना पसंद करता है। वो परमेश्वर है, और वो बस आपको यह दिखाना पसंद करता है कि वो कौन है। आमीन।

और परेशानी तो यह है कि आज लोग कहते हैं, "ओह, वे दिन बीत चुके हैं।" नहीं। परमेश्वर अपने आप को भला कैसे प्रदर्शित कर सकता है जब आपको ऐसी बातें सिखाई जाती हैं? लेकिन परमेश्वर खुद को प्रकट करना पसंद करता हैं।

139 यहाँ इस्राएल के बच्चे प्रकाश में चलते हुए आते हैं। मूसा, उनके आगे–आगे चल रहा है। वहाँ वे थे। "आगे बढ़ो। *यह* वो रास्ता है। परमेश्वर बुला रहा है। हम लोग बाहर निकल रहे हैं। हम प्रतिज्ञा किए गए देश में जा रहे हैं।"

"ओह, हाल्लेलुय्या!" यहाँ वे सब चिल्ला रहे थे, और कूद रहे थे, और अच्छा समय बिता रहे थे, आप जानते हैं। और पहली बात जो आप जानते हैं, उन्होंने पीछे मुड़कर देखा और कहा, "ओह, वह धूल क्या है? "

140 उनमें से एक पहाड़ी पर चढ़ गया, उसने कहा, "ओह, ओह! हाय हाय! यह तो फिरौन की सेना है।"

141 परमेश्वर ने कहा, "तुम इतने डरे हुए क्यों हैं? क्या तुम विश्वास नहीं करते कि मैंने जो वहां किया है? तुम किस बात से इतने चिंतित हो? तुम मुझे क्यों क्रोध दिलाते हो? "

142 जब वे वहां पर पहुंचे, तब मूसा ने निकलकर और परमेश्वर से मध्यस्थता किया। परमेश्वर ने तब लाल समुद्र को खोला, और वे चल कर उस पार गए; शत्रु को अंदर समाप्त कर दिया। इसी तरह से परमेश्वर करता है। डरो मत। सारे उत्तेजित न हों जाओ। घबराओ मत। तुम परमेश्वर को क्रोध दिलाते हो।

143 फिर उसने क्या किया? ऐसा दिखा, "ठीक है, हमारे पास एक बड़ी परीक्षा थी; परमेश्वर धन्य हो, हम इसे पार कर चुके हैं। हमारे पास अब और नहीं होगी। हम प्रतिज्ञा किए हुए देश के रास्ते पर हैं।" और वह उन्हें सीधे जंगल में ले गया, जहां पर पानी नहीं है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं? परमेश्वर, उसके—उसके पवित्र किये हुए, पवित्र लोगों के साथ, उन्हें ठीक *इस* जाल में से बाहर निकाल लाया; फिर उन्हें उस जाल से बाहर निकाला, और उन्हें सीधे यहाँ बाहर ले आया जहाँ पानी नहीं है। जब कि वह उन्हें किसी तरह ले वहां ले जा सकता था जहाँ पानी था। क्यों, यदि वह चाहता था तो वो बस एक नदी बना सकते था, सारे रास्ते भर में। यदि वो चाहता तो वो हर एक पहाड़ के अंदर आनंद से, फाड़ कर, हवा में पचास फुट पानी उछाल सकता था। निश्चय ही, वह कर सकता था। लेकिन यदि वो ऐसा करता, तो यह बहुत ही आसान रहा होता। ओह, मैं इसे पसंद करता हूँ! प्रभु का नाम धन्य हो।

144 "परमेश्वर ने *ऐसा* क्यों होने दिया, भाई ब्रंहम? परमेश्वर ने क्यों... ? "

परमेश्वर ऐसा करता है। उसे ऐसे ही रहने दो। बस चलते रहो। यह परमेश्वर का काम है। "धर्मी जन के पदचिन्ह यहोवा की ओर से दृढ़ होते है।" जी हाँ, श्रीमान। इससे क्या फर्क पड़ता है?

145 "मैंने अपना सारा पैसा गवां दिया, भाई ब्रंहम।" खैर, कुछ भी हो, परमेश्वर धन्य हो।

146 "ओह, मैंने *ऐसा* किया, और *ऐसा* हो गया, तूफान ने मेरे घर को उड़ा दिया।"

147 कुछ भी हो, परमेश्वर धन्य हो। "प्रभु ने दिया, प्रभु ने ले लिया, प्रभु का नाम धन्य हो।" बस आगे बढ़ते रहो। यह सब परमेश्वर की महिमा है। परमेश्वर जानता है कि वो क्या कर रहा है।

> कुछ पानी में से होते हुए, कुछ बाढ़ में से होते हुए,
> कुछ गहरी परीक्षा में से होते हुए, लेकिन सब लहू के
> जरिये से।

148 इसी प्रकार से वो उनकी अगुवाई करता है। यह सही बात है। ओह, प्रभु! मैं ऐसा महसूस कर रहा है कि मैं बस रुक कर और चिल्ला सकता। इसी तरह से वो अपने प्रिय बच्चों की अगुवाई करता है। ओह, क्या आप बस महसूस कर सकते हैं... ? अब, मैं एक मनोवैज्ञानिक नहीं हूँ, लेकिन क्या आप अभी उस मनोहर आत्मा को महसूस कर सकते हैं जो अब इमारत पर घुलते जा रहा है? क्या हो यदि हमारी आँखे अभी खुली होती, और देखते, इन गलियारों के ऊपर और नीचे इन दीवारों के चारों ओर कौन ठहरा हुआ है?

149 पुराने समय का एलीशा, एक सुबह, जब वह लड़का उतना ही अंधा था जितना वह हो सकता था, उसने कहा, "वहाँ पर नीचे सीरियाई लोगों को देखो।"

कहा, "लेकिन वहां हमारे साथ और भी अधिक है।"

कहा, "मैं तो किसी को भी नहीं देखता।"

कहा, "प्रभु, उस लड़के की आंखें खोल दीजिये।"

150 उसने उस बूढ़े नबी के चारों ओर देखा, उसके चारों ओर, पहाड़ पर अग्नि थी, और अग्नि के घोड़े, और अग्नि के रथ। तब उसे यकीन हो गया था।

151 उसने कहा, "हम अभी बाहर जाकर और उन्हें अंधा कर देंगे।" उनकी दृष्टि बिल्कुल वैसी ही सही थी जैसी हमेशा से ही रही थी, लेकिन वे उसके प्रति अंधे थे। कहा, "तुम सब एलिय्याह को खोज रहे हो? "

कहा, “हाँ।”

152 कहा, “आओ, मैं तुम्हें दिखाता हूँ कि वह कहाँ पर है।” और यह वही था जो उनका नेतृत्व कर रहा था। वे इसे नहीं जानते थे।

153 इसी तरह से ही आज है। मसीह यहाँ पर है। पवित्र आत्मा यहाँ है, उन्ही कामों को करते हुए जो उसने हमेशा ही किये, और संसार इसके प्रति अंधा है। वे इसे नहीं जानते। “ओह, मैं—मैं इसके बारे में नहीं जानता हूँ। कि मेरा पास्टर... ” ओह, बेचारे कमजोर लोग! देखा मेरा मतलब है? वे इसके प्रति अंधे हैं। वे इसे नहीं जानते। परमेश्वर अगुवाही कर रहा है।

154 अब, वे ऊपर आते हैं, पाप के जंगल में से होते हुए, वहाँ पर पानी नहीं था। परमेश्वर ने बस इस सबका प्रयोजन किया था। ओह, और उन्हें पानी का एक छोटा सा तालाब मिला, उन्होंने कहा, “ये रहा।” और वे यहाँ तक इसका स्वाद भी नहीं ले सकते थे। ओह, यह बहुत ही ख़राब था। मेरे प्रभु, यह—यह तो सौ प्रतिशत सल्फर से भी बदतर था। देखो, सड़े हुए अंडो की तरह, आप जानते हैं। “ओह, मेरे प्रभु! यह तो बहुत ही खराब है।” यह जहर था। अब, इसे पाप का जंगल कहा गया। वहाँ बहुत खजूर के पेड़ उगते हैं, और वसंत जहाँ वे खजूर के पेड़ उगते हैं। तब मूसा ने कहा, “मत करो... ”

155 परमेश्वर ने कहा, “वे क्यों करते हैं? वे क्यों करते हैं? वे मुझे किस लिए क्रोध दिला रहे हैं? ठीक है, यदि मैंने पहले *यह* किया है, तो क्या मैं इस परिस्थिति में कुछ नहीं कर सकता हूँ? ”

156 यदि उसने आपको एक दुखित समय से बाहर निकाला है, तो क्या वह आपको दूसरे से नहीं निकाल सकता? उसने तुम्हें एक मुसीबत से निकाला, क्या वह तुम्हें दूसरी मुसीबत से नहीं निकाल सकता? परमेश्वर धन्य हो! यदि उसने मुझे पाप में से निकाला, तो वह मुझे कब्र में से निकाल सकता है। वो परमेश्वर है। क्या इससे फर्क पड़ता है? बस आगे बढ़ते रहे, अपनी आँखों को उस पर रखे।

157 कहा, “यदि मैंने पीछे लाल समुद्र को बन्द कर दिया, और मिस्त्रियों को डुबा दिया, तो क्या मैं इस पानी के विषय में कुछ नहीं कर सकता? तुम मुझे किस बात से क्रोध दिलाते हो? ओह, तुम्हारे अविश्वास से! अविश्वास के कारण, तुम मुझे क्रोध के लिए उकसाते हो।”

158 अब यहाँ शब्द का प्रयोग हुआ है, "पाप," उकसाना। बनाया... जिस कारण से उन्होंने ऐसा किया, उन्होंने अविश्वास किया था। उन्होंने कभी भी बाहर जाकर और सट्टा या जुआ नहीं खेला, अब, और इस तरह की चीजें नहीं की। वे कभी भी किसी और की पत्नी के साथ यहाँ–वहां नहीं फिरते थे, और बाहर जाकर झूठ नहीं बोलते थे। वे ऐसा नहीं कर रहे थे। लेकिन, यह आरंभ से ही पाप नहीं है।

159 व्यभिचार में रहना पाप नहीं है। धूम्रपान करना, तंबाखू खाना, शराब पीना, जुआ खेलना, शाप देना, कसम खाना, इत्यादि, यह पाप नहीं है। यह तो अविश्वास के गुण हैं। आप ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि आप एक अविश्वासी हैं। यदि आप एक विश्वासी हैं, तो आप ऐसा नहीं करते हैं। यही कारण है कि यीशु ने कहा, "जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर *विश्वास* करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है।" यह नहीं *कहता* कि वो विश्वास करता है, लेकिन वास्तव में विश्वास करता है! वहाँ है ये। यह आपके पहले के प्रमाण को निकाल कर दूर कर देता है। देखा? अब, आप वहाँ हो।

ना हीं, "वह जो मेरे वचनों को सुनकर और चिल्लाता है।" ना ही, "वह जो मेरे वचनों को सुनकर और अन्य जुबानो में बोलता है।" ना ही, "वह जो मेरे वचनों को सुनता है और उसके हाथ में या उसके चेहरे पर लहू होता है," या जो कुछ भी और है। यह वो नहीं है।

"वो जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वो कभी भी न्याय के लिए नहीं आएगा, लेकिन मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चूका है।"

160 पाप क्या है? अविश्वास। एक छोटी सी कुछ तो बात ऊपर उठा सकते है, बजाय इसके कि सीधे वचन में जाकर और पता करें कि यह सच है या नहीं, "ओह," आप कहते है, "मैं... नहीं! देखो, वहाँ, तुम आगे बढ़ो। मैं बस एक प्रेस्बिटेरियन में जारी रखूंगा जैसे मैं हूं, देखो।" आगे बढ़ो, अन्धे, और तुम परमेश्वर को क्रोध दिलाते हो।

161 जब परमेश्वर कुछ भी करता है, तो वो राष्ट्र से उम्मीद करता है कि इसे झपट ले। लेकिन, बजाय इसके, "आप जानते हैं, खैर, मैं इसके बारे में नहीं जानता।" देखा? वह लोगो से उम्मीद करता है कि इसे पकडे। यदि आप पर्याप्त रूप से विचार करते हैं, तो वचन को लेकर बैठ जाये। इसमें से

होकर जाए और इसे इधर–उधर से ढूंढे, और देखे कि क्या ये हुआ है या नहीं, क्या इसके पुरे होने की भविष्यवाणी की गई है, और इत्यादि। तब आप इसे समझ लेंगे। आमीन।

162 अब, ध्यान देना।

> *जबकि यह है... यदि आज तुम... उसका शब्द सुनो, तो अपने मन को कठोर न करो, जैसा कि क्रोध दिलाने के समय हुआ था,* जब परमेश्वर उन पर क्रोधित हुआ था, आप देखे।

> *क्योंकि कुछ लोग, जब उन्होंने सुना,* मूसा द्वारा प्रचारित सुसमाचार को सुना, *क्रोध दिलाया: उन सब ने नहीं जो मूसा के द्वारा मिसर से निकले थे।*

163 कितने लोग जानते हैं कि उस बाहर निकले उस मूल झुंड में से कितने लोग बच गए थे? कितने लोग? [कोई कहता है, "दो।"—सम्पा।] दो, सही है। उनके नाम कितने लोग जानते हैं? ["कालेब और यहोशू।"] यह सही बात है। कालेब और यहोशू, केवल दो ही, लगभग दो लाख में से।

164 इसे सुनना। "लेकिन वो... " अब 17वां पद।

> *लेकिन वह चालीस वर्ष तक किन लोगों से रूठा रहा,* उनके अविश्वास के कारण। *क्या उन्हीं से नहीं, जिन्हों ने पाप किया* था, अविश्वास किया... ?

165 शब्दकोश को लें और देखे कि *पाप* का क्या अर्थ होता है। बाइबल के शब्दकोश को लें। यह अविश्वास है। *अविश्वास* "पाप" है। "वह जो विश्वास नहीं करता वह पहले से ही दोषी हुआ है," संत युहन्ना 4, देखें, "पहले ही दोषी हुआ है।"

> ... *किनकी लोथें जंगल में पड़ी रहीं?*

> *और उस ने किन से शपथ खाई, कि तुम मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाओगे,...*

166 तुम्हारे अविश्वास करने से! ओह, कैसे मैं अपने अध्याय में कभी नहीं पहुँचूँगा। लेकिन, देखो, यही है जो आज इस राष्ट्र के साथ यही मामला है। चिन्ह और अद्भुत कार्य इस राष्ट्र से होकर गुजरे हैं। वो क्या करते हैं? निरंतर इससे उनके मुंह को मोड़ते है। और उसने कहा, "मैं शपथ लूंगा

कि मैं उन्हें उस देश में प्रवेश नहीं करने दूंगा जिसकी ओर उन्होंने जाना आरंभ किया था।”

167 आज इन बड़े कलीसियाओ के साथ का क्या मामला है? उनके अविश्वास ने परमेश्वर को उकसाया है। हाल्लेलुय्या! वह इन पत्थरों से अब्राहम की सन्तान को खडा करने में सक्षम है। उसने उन्हें सुसमाचार को देने की कोशिश की, और उन्होंने उनके हृदय को कठोर कर दिया। उन्होंने अपने आप को संगठीत किया, और उन्होंने छोटे–छोटे संप्रदाय बनाए, “और हम *इस* पर ही विश्वास करते हैं और कुछ और नहीं,” और परमेश्वर अंदर नहीं बढ़ सका। वे आज कहाँ पर हैं? एक अलग से स्थापित हो रहे है।

168 परमेश्वर का छोटा, विश्वासयोग्य झुण्ड चिन्हों और अद्भुत कार्यो के साथ ठीक आगे बढ़ रहा है। वह उन्हें परीक्षा में रख रहा है। “हर एक पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है, उसे अवश्य ही पहले परखा और परीक्षा में होकर जाना है,” बाल–प्रशिक्षित।

169 पहली छोटी सी बात घटित हुई, “ओह, ठीक है, हो सकता है जो कुछ भी हो इसमें कुछ भी नहीं है।” तुम नाजायज संतान हो, और परमेश्वर की संतान नहीं हो।

170 क्योंकि परमेश्वर की सन्तान अब्राहम का बीज है, जो उन वस्तुओं को बताता है कि नहीं थीं, जब कि हांलाकि वे थीं, “परमेश्वर ने ऐसा कहा है,” और बस आगे चलता रहता है। आमीन। चाहे जो कुछ भी कहें, या कुछ भी अलग हो, वे कुछ भी हो आगे बढ़ते रहते हैं। “परमेश्वर ने ऐसा कहा है।”

171 पच्चीस वर्ष तक वो उस बालक के लिए रुका रहा, कोई फर्क नहीं यह क्यों न कितना भी विपरीत था। और उसने अपने आप को उन अविश्वासियों से अलग किया, आमीन, जिससे कि वह विश्वास कर सके। ओह, मेरे प्रभु! मैं धार्मिक महसूस कर रहा हूँ।

इस पर सोचे। आपको संसार के उस मत–सिद्धांत से खुद को अलग करना होगा, “आह, उन अद्भुत कार्यो के दिन बीत चुके हैं। ऐसी कोई बात नहीं है। यही कट्टरपंथी है।” अपने आप को अलग करो।

172 बाइबल ने कहा, “उनके बीच में से निकल आओ, और खुद को अलग करो, प्रभु यों कहता है, और मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा।” कितना अद्भुत! “मैं

तुम्हें ग्रहण करूंगा," अपने आप को तुम अलग करने के बाद। "तुम मेरी संतान ठहरोगे, मैं तुम्हारा परमेश्वर होऊंगा।" अपने आप को अलग करो, अविश्वासियों के साथ अपने आप को जुए में मत जुतो। यह सही बात है।

173 युवा लोग विवाह कर रहे है, किसी ऐसी लड़की से विवाह करते है जो विश्वास नहीं करती; या कोई युवा लड़की ऐसे लड़के से विवाह कर रही है जो विश्वास नहीं करता। आप ऐसा ना करे। मैं परवाह नहीं करता कि वह कितना प्यारा है, और—और, या वह कितनी प्यारी है, और उसकी कितनी बड़ी आँखें हैं; वे सारे इन दिनों में से किसी एक को धुंधले पड़ जाएंगे। लेकिन, भाई, तुम्हारा प्राण हमेशा जीवित रहने वाला है। आप सावधान रहें आप जो कर रहे हैं। वह लकड़ी एक सच्ची विश्वासी नहीं है, या वो लड़का एक सच्चा विश्वासी नहीं है, तुम आप अपने आप को इस तरह नहीं जुए में मत जुतो। ऐसो से परे रहो। यह आपके लिए मार्ग पर परेशानी का कारण बनेगा।

174 अब सुनना, 17वाँ पद।

> *लेकिन... वह... चालीस वर्ष तक किन लोगों से रूठा रहा? क्या उन्हीं से नहीं, जिन्हों ने पाप किया, और उन की लोथें जंगल में पड़ी रहीं?*
>
> *और उस ने किन से शपथ खाई, कि तुम मेरे विश्राम में प्रवेश करने न पाओगे...*

175 उन्होंने शुरुआत की, लेकिन, उन्होंने अद्भुत कार्यो को देखा, लेकिन वे प्रतिज्ञा किए गए देश तक कभी नहीं पहुंचे। केवल चयन की हुई दो की संख्या, प्रतिज्ञा किये हुए देश में प्रवेश करते है।

176 अब पौलुस क्या कर रहा है? वो अब मसीही लोगो से बोल रहा है, "तुम इस उसी सुसमाचार को मत देना, जिसका प्रचार वहां पहले किया गया था, चिन्हों और अद्भुत कार्यो में, और अग्नि के खंभे ने उनकी अगुवाई की; जब ये बातें फिर से जगह लेने लगेगी, तो तुम मार्ग के किनारे, अविश्वास से, संदेह करते हुए नहीं जाना, क्योंकि उनकी लोथे जंगल में गिर गई।"

177 अब हम अंदर आ रहे हैं, अब जल्दी से। ध्यान से देखें।

> *... लेकिन उनके लिए जो नहीं जीये?*
>
> *सो हम देखते हैं, कि वे अविश्वास के कारण प्रवेश न कर सके।*

वह इसे एक बार *पाप* कहता है, वो इसे अगली बार *अविश्वास* कहता है। अविश्वास “पाप” है। “उन्होंने उनके अविश्वास के कारण प्रवेश नहीं किया।”

178 उन्होंने उस भविष्यव्यक्ता मूसा को देखा। उन्होंने देखा कि उसने क्या किया, उसने जो कहा वो देखा। यह सत्य था, हर एक समय, सत्य की ओर आगे बढ़ता चला गया। यह अग्नि का खंभा उनके सामने प्रकट होता। उन्होंने इसे ध्यान से देखा। उन्होंने इसे देखा।

179 पौलुस, बाद में, यहाँ इसे समझने की कोशिश कर रहा था, जो अनुभव उसके पास था। देखा? अनुभव को जोड़ने का प्रयास कर रहा था, उसने इसे पुराने नियम से मिलाया। उसने कहा, “अब हम एक नई चीज़ के अंदर प्रवेश कर चुके हैं, इस नये समय काल में, यीशु मसीह के द्वारा। पुराने समय में, प्रभु उन्हें भविष्यवक्ताओं के द्वारा प्रकट हुआ, लेकिन अब वो उसके पुत्र, यीशु के द्वारा।” देखा? और वह अनुभवों का जोड़ना आरंभ करता है और उन्हें दिखाता है कि क्या बात जगह ले रही थी, किस तरह से ये चिन्ह और अद्भुत कार्य, और हर एक चीज, और क्या लिखा है।

180 अब उसने कहा, “उन्होंने अपने अविश्वास के कारण प्रवेश नहीं किया।” उन्होंने विश्वास नहीं किया।

181 “लेकिन अब, हम, हम एक समय काल के अंदर बढ़ते हैं, और आप अपने हृदय को कठोर न करे। तुम उन क्रोध दिलाने के दिनों में लोगों के समान काम न करना, जब उन्होंने परमेश्वर को उकसाया।” उन्होंने इसे किस तरह से किया? अनैतिक जीवन जीने के द्वारा नहीं। मुझे इसे आपके लिये खोल कर बताने दो।

182 आप कहते है, “भाई ब्रंहम, मैं कलीसिया जाता हूँ।” यह सब ठीक है। “मैंने अपने जीवन में कभी भी झूठ नहीं बोला।” यह ठीक बात है। “मैंने कभी भी चोरी नहीं की। मैंने *ऐसा, वैसा* या *इत्यादि* कभी नहीं किया।” यह बहुत अच्छा है। यह सब अच्छी बात है। लेकिन, यह अब भी पाप नहीं है।

183 पाप वो है जब परमेश्वर अपने आप को प्रकट करता है और आप इसे अविश्वास करते हैं, आप इसे नहीं सुनते है।

184 “ओह,” आप कहते है, “मेरी कलीसिया यह नहीं सिखाती।” जब तक बाइबल इसे सिखाती है, और परमेश्वर इसे प्रमाणित करता है, यही वो बात है।

अब बस एक समय के लिए ध्यान दे। अब हम कुछ तो वास्तविक पर आरंभ करने जा रहे है, गहरी वास्तविकता। अब, अपने विवेक को अपनी कपड़ो की जेब में रखे जब तक आप बाहर न आ जाये।

185 अब बहुत ही ध्यान से देखना।

तो हमें डरना चाहिए; ऐसा न हो, कि कोई प्रतिज्ञा छोड़ दी जाए, जिससे कि हम उस में प्रवेश *करें उसके...*

उसके, उसकी, अब व्यक्तिगत सर्वनाम है। क्या?

... कि तुम में से कोई जन उस से रहित जान पड़े।

186 अब, पौलुस उन्हें, पिछले अध्याय में, इन सारी बातों के बारे में बताने की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब वो उन्हें यह बताने की कोशिश कर रहा है कि यह क्या है।

ओह, क्या हमारे पास समय है? मैं... हो सकता है हमारे लिए अच्छा होगा आज रात तक इंतजार करें। देर हो रही है, और हम प्रार्थना की सभा करने जा रहे हैं। हो सकता है कि आज रात हम इसे बेहतर तरीके से समझे, क्योंकि यह वास्तव में विटामिन, आत्मिक विटामिनो से भरा हुआ है। बहुत कुछ करना है, और मैं आज दोपहर में व्यस्त हूँ। "आईये हम... "

तो हमें डरना चाहिए; ऐसा न हो, कि कोई प्रतिज्ञा...

187 अब, क्या वहां मिस्र में उनके लिए प्रतिज्ञा किए गए देश के लिए प्रतिज्ञा की गयी थी? और, जब, परमेश्वर इस वचन को वास्तविक बनाने के लिए नीचे उतर आया। क्यों, परमेश्वर ने सैकड़ों और सैकड़ों वर्ष पहले अब्राहम को बताया था कि वह इसे करने जा रहा है। ये वचन के अनुसार था।

188 यूसुफ ने कहा, "मेरी हड्डियों को यहाँ से मत हटाना जब तक तुम वहां उस प्रतिज्ञा किये हुए देश में जाकर और मुझे मेरे बाक़ी के पूर्वजो के साथ ना गाड दो।" क्योंकि, वह जानता था कि पुनरुत्थान आ रहा है, जब यीशु मरे हुओं में से जी उठा, क्योंकि उसे यह ज्ञात था कि अय्यूब ने क्या कहा था। देखा?

189 उन में से हर एक भविष्यद्वक्ता वो जानता था कि तब दूसरे भविष्यद्वक्ता ने क्या कहा था, और जानते थे कि उनका आत्मा एक ही है। और वे नजर रखे हुए थे। ओह, भाई! ओह, यह बात हमें हमारी सांसारिक परिस्थिति से हिला देना चाहिए। उनकी आँखें इस पर नहीं लगी थीं कि लोग क्या कह

रहे हैं, लेकिन उन भविष्यद्वक्ताओं ने क्या कहा। उनमें से हर एक जन नज़र रखे हुए था।

190 अब्राहम ने कहा, “मुझे ठीक यहाँ पर गाड़ना जहां अय्यूब को गाड़ा गया था।” कहा, “सारा, मैं जमीन का एक टुकड़ा खरीदूंगा। हमें ठीक यहाँ पर गाडा जाएगा।”

191 इसहाक अपने पिता के बाद एक भविष्यव्यक्ता था। कहा, “सुनना। तुम मुझे कहीं भी और न गाड़ना, और न ही यहाँ मिस्र में, लेकिन मुझे पीछे ठीक वहां प्रतिज्ञा किये हुए देश में ले जाना। तुम मुझे ठीक यहाँ पर गाड़ना।”

192 याकूब प्रतिज्ञा किए हुए देश के बाहर मरा, लेकिन अपने पुत्र से कहा, जो भविष्यद्वक्ता था, “तुम जानते हो, एक रात दूत ने मुझे बगल में छुआ। मैं तब से लेकर लंगड़ाता हूं। आकर, अपने हाथ को रखना... ” ओह, दया! “मेरे भविष्यव्यक्ता पुत्र, मैं बूढ़ा हूँ और मैं अंधा हूँ। लेकिन अपने पवित्र हाथ को रखना, अपने आप में भविष्यद्वक्ता होने के नाते, उस स्थान पर हाथ को रखना जहां दूत का हाथ था, और स्वर्ग के परमेश्वर की शपथ खाओ कि तुम मुझे यहां नहीं गाडोगे।”

193 धन्य हो... क्या आप वचन के आत्मिक प्रकाशन को देखते हैं? क्यों, उनमें से आधे, लगभग नब्बे प्रतिशत, नहीं जानते कि वह किस बारे में बात कर रहा था। लेकिन वो जानता था कि वह किस बारे में बात कर रहा था। “अपने भविष्यद्वक्ता के हाथ को इस स्थान पर रखो, जहां पर दूत ने अपना हाथ रखा था। एक समय मैं एक बड़ा, तगड़ा, एक हट्टा–कट्टा डरपोक मनुष्य था। लेकिन, उसने मुझे छु लिया, और तब से मैं लंगड़ाता हुआ मनुष्य रहा हूं। लेकिन जब से लेकर मैं एक राजकुमार रहा हूं मैं तब से लेकर लंगड़ा रहा हूँ। तब से लेकर मेरे चलने का तरीका बदल गया है, मैं एक राजकुमार बन गया हूं।” जी हां। “अपना हाथ यहाँ रखो। स्वर्ग के परमेश्वर की शपथ लो, तुम मुझे यहाँ नहीं गाडोगे।” क्यों? कोई भी नहीं जनता था कि वह किस बारे में बात कर रहा था। युसूफ ने किया। उसने कहा, “मुझे वहां उस ओर ले जाकर और उस प्रतिज्ञा किये हुए देश में गाड़ देना।” वहीं जहां पर ये था। निश्चित रूप से।

194 वर्षो बाद जब यूसुफ मरा, उसने कहा, “तुम मुझे यहाँ पर मत गाड़ना। लेकिन जब तुम यहाँ से गुजरते हो तुम मेरी हड्डियों को देखते हो, क्योंकि

किसी दिन तुम यहां से बाहर निकलोगे। और जब तुम जाओ, तो मेरी हड्डियों को अपने साथ ले जाना।”

195 वहां आप हैं। संसार को कहने दें जो वो कहना चाहते हैं, और करने दो जो वो करना चाहते हैं। प्रभु का नाम धन्य हो। मुझे मसीह में रखना, यदि मुझे कुछ भी बुलाया जाता है, एक कट्टरपंथी, या पवित्र–शोर मचाने वाला। किसी दिन वो आ रहा है, और वे जो मसीह में हैं, उन्हें परमेश्वर अपने साथ लेकर आएगा, जब वो आता है। यह सारा एक आत्मिक रूप से, प्रकट हुआ सत्य है जो ठीक वहां रखा हुआ है, और इसे समझने के लिए एक आत्मिक मन की आवश्यकता होती है। सारे दिन भर उस पर विश्राम करें। इस पर सोचे। यदि यहाँ तक आप जाते हैं, बिना आपके रात्रि के भोज के, इस पर सोचें।

196 और आज रात, हम उसके विश्राम के अंदर जाएंगे, जो बचा हुआ था, और देखेंगे कि यह प्रतिज्ञा आज क्या है। आज यह चीज क्या है? क्या परमेश्वर ने इसे यहाँ बाइबल में नहीं रखा है, और इसे सिद्ध नहीं करता है, यह ठीक अब यहाँ पर नहीं है, तो मैं एक झूठा भविष्यद्वक्ता हूँ। यह बिल्कुल सही है। लेकिन यह यहाँ है। यह विश्राम क्या है?

197 उसने कहा:

> अब, *हमें... डरना चाहिए; ऐसा न हो, कि कोई प्रतिज्ञा छोड़ दी जाए,* कि हम उस में प्रवेश करें बिल्कुल जैसे उन्होंने किया,...

198 और यह वही प्रतिज्ञा होना है। यह वही विश्राम होना है। यह वही परमेश्वर होना है। यह वही चिन्ह होना है। यह वही चीज होना है। लेकिन आईये हम विश्राम करे। अब ये क्या है? होने पाए आज रात प्रभु हमें इसे प्रदान करें।

जब हम सिरो को झुकाते हैं।

199 प्रभु धन्य हो, केवल अनंतता उन महान चीजों को प्रकट करेगी जिसे हम अब एक साथ मिलकर बांटे। छोटा...

बहुत से हैं जिन्हें दोषी होने के लिए ठहराया गया है। जैसा आपने यहूदा की किताब में कहा है, कि, “कितने ऐसे मनुष्य पहले से नियुक्त किये गए दोषी होने के लिए, जो हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लेंगे और इसे लुचपन में बदल डालेंगे।” और बहुत से लोग आज सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं,

परमेश्वर का अनुग्रह, इसे एक पैसा बनाने की योजना में बदल देंते है, एक बड़ी सी कलीसिया होती है और अधिकतर रविवार के स्कूल में, परमेश्वर के अनुग्रह को लेते है और इसे लुचपन में बदल देते है। और संसार अंधा है, और अंधे सूअरों के जैसे जाते है। वे नहीं समझते हैं।

200 हे परमेश्वर, हमारे लिए समझ को खोले। हमारी समझ इस संसार के बच्चों के जैसे न होने दो। क्योंकि तू ने अपने वचन में कहा है, कि, "इस संसार की संतान उजियाले की सन्तान से अधिक बुद्धिमान हैं।" आदि में ऐसा था, "कैन की संतान" जो बड़े–बड़े निपुण वैज्ञानिक बनें। वे बड़े–बड़े शिक्षक बने। वे वस्तुओ के कामगर बन गए। वे प्रगति करते चले गए, बहुत धार्मिकता से, लेकिन दोषी ठहराए गए और न्याय में डूब गए। और उनकी लोथें जल पर तैरने लगीं, और उनके प्राण अधोलोक में चले गए।

201 और यीशु ने जाकर उन से बातें की, जब वो मरा। "और अधोलोक में जाकर और उन प्राणों को प्रचार किया जो कैद में थे, जिसने नूह के दिनों में धीरज धरते हुए पश्चाताप नहीं किया," वचन कहता हैं। और परमेश्वर, जब वह धरती पर खड़ा हुआ, उसने कहा, "जैसा ये नूह के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आगमन में भी होगा।"

202 लेकिन हम ध्यान देते हैं, "शेत की तब वंशावली," नम्र मनुष्य, परमेश्वर के सच्चे मनुष्य, संसार की बातों को बहुत अधिक नही जानने वाले, संसार की बातों की कुछ भी परवाह नहीं करने वाले, लेकिन सारे भार को एक तरफ रखकर और परमेश्वर पर विश्वास करते थे, और उस राज्य में भविष्यद्वक्ता और महान पुरुष बन गए। जबकि दुसरे, दूसरा धार्मिक संसार, उन पर हँसा, उनका मज़ाक उड़ाया। लेकिन वह समय आ गया जब बाढ़ आई और न्याय आ गया।

203 सो ऐसा ही यीशु मसीह के आगमन में था। वे किस तरह से उस पर हँसे और उसका मज़ाक उड़ाया, जबकि उनके पास उनके अपने धर्म थे और उनके बडे–बड़े आराधनालय थे। लेकिन उन्होंने भोर के तारे का मज़ाक उड़ाया, और वे उस पर हँसे। लेकिन फिर भी उन्होंने न्याय में प्रवेश किया। और जब वे भागकर और यरूशलेम को गए, तो वहां उन्होंने अपने खुद के बचो को भूख से खाया, और उनका लहू बाहर फाटकों के सड़क से बहने लगा जब उन्होंने नगर और मन्दिर को जला डाला, और उनके प्राण अधोलोक में चले गए।

204 प्रभु, यहाँ हम फिर से, तीसरे स्थान पर हैं। यह जीवन का समय है। तीन जीवन की संख्या है। और यहाँ हम है, रेपचर के लिए तैयार।

कलीसिया आगे बढ़ रही है; वो बडा वैज्ञानिक संसार; कलीसियाये आज संदेहवादी–विश्वासियों से भरे हुये हैं। किताब पर दस हजारों उनके नाम के साथ, जी हाँ, लाखों लोग, और सुसमाचार पर हंसते है, और कहते है, कि, "वे अशिक्षित लोग हैं। वे नहीं जानते।"

हो सकता है ऐसा ही हो, प्रभु, लेकिन हम जो शिक्षा में कम है, उसे आप अनुग्रह से पूर्ति करते हैं उजियाले के दूत को भेजने के द्वारा, उसकी सामर्थ के प्रकटीकरण के द्वारा, वचन की पुष्टि करते हुए उन लोगों के लिए जो हमारे जैसे दीन और अनपढ़ हैं। लेकिन हम आपको इसके लिए प्रेम करते हैं, क्योंकि यह परमेश्वर का अनुग्रह है जिसने इसे किया है, और हम जानते हैं कि हम जन्मे थे। और हम बिल्कुल भी प्रिय नहीं हैं। हम बहुत ही अप्रिय हैं। लेकिन आप, अनुग्रह में से होते हुए, नीचे उतर आये आपके दया से भरे हाथ और हमारी आंखों को खोल दिया, जिस प्रकार यीशु ने हमारे लिये प्रार्थना की थी; जैसा एलिय्याह ने गेहजी के लिये किया, जैसे उस ने उसके चारों ओर देखने के लिए दृष्टि की। और आज हमारी आंखें खुली हैं, और हम परमेश्वर की बातों को देखते हैं, और जानते हैं कि हम अंत समय में आगे बढ़ रहे हैं; जब अन्यजातियों के दिन लगभग समाप्त हो जाते है, और वो उसके लोगों को नाम के लिए लेकर जाएगा। आइए हम वहां गिने जाए, प्रभु, हम नम्रतापूर्वक विनंती करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप इसे प्रदान करें।

205 हमें आशीष दीजिये। आज सुबह इस छोटी सी सभा के लोगो को आशीष दीजिये। वे सारे भिन्न प्रकार के धर्मों और विश्वासों से एकत्र हुए हैं, लेकिन आज वे उन्हें एक तरफ रख दें, परमेश्वर। और होने पाए वे सीधे कलवरी की ओर देखे, कहे, "परमेश्वर, मुझे आकार में ढाल और मुझे बना। मैं जैसे... " भविष्यव्यक्ता ने कहा, कि वो वहां कुम्हार के घर गया, जिससे कि उसे तोड़ा जा सके और फिर से आकार में ढाला जा सके। हमें आकार में ढाल और हमें उस आकार के अनुसार बना जो परमेश्वर हमें चाहता है। कोई फर्क नहीं पड़ता यदि हमें प्रभु के भवन में फर्श की चटाई बनना पड़े। दुष्टों के साथ तंबुओं में रहने की बजाये मैं द्वार पर पायदान बनना अधिक पसन्द करूंगा। और इसे प्रदान करे, प्रभु। अब बस हमें

आशीष दीजिये, और हमें नम्र बनाए रखें। हमारा ह्रदय खुला रहे, हमारे मन साफ़ रहे, परमेश्वर की बातों के प्रति, क्योंकि हम इसे मसीह के नाम से मांगते हैं।

206 हमारे सिरो को झुकाए हुए, मैं सोचता हूँ क्या कोई है जो प्रार्थना के शब्द में याद करवाना चाहता है, आपके प्राण के उद्धार के लिए? क्या आप अपना हाथ उठाएंगे, और सिर्फ एक पापी? परमेश्वर आपको आशीष दे, युवा लोग। कोई और है? परमेश्वर आपको आशीष दे, वहाँ पीछे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। कोई और है जो अब प्रार्थना में याद करवाना पसंद करेगा? परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान, अपना हाथ ऊपर करके। और परमेश्वर आपको आशीष दे, और आप जो यहाँ है। अद्भुत। क्या बंद करने से ठीक पहले कोई एक और होगा? मैं सोचता हूँ कि वहाँ होगा। परमेश्वर आपको आशीष दे, वहाँ पीछे, श्रीमान, पीछे की ओर।

207 बताये, अब देखो, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ। मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा बिल्कुल भी सोचें क्योंकि यह एक छोटा सा भवन है। मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा सोचें क्योंकि यही ये लोग हैं। और दयालु परमेश्वर, ऐसा मत सोचो ये इसलिए है कि प्रभु के दूत ने मेरे साथ अपनी तस्वीर को लिया था, और मैं... और—और उसमें से कुछ, ऐसा करने के लिए। हे परमेश्वर! यदि मुझे ऐसा महसूस होता है, तो, भाई, मुझे आपसे पूछने के बजाये वेदी पर होने की आवश्यकता है। लेकिन मैं केवल इसे कह रहा हूं, मैं केवल वचन के द्वारा इसे कह रहा हूं, कि आप देखेंगे कि यह सत्य है। यदि मैंने ये कहा है, और यही सब वहां पर था, ऐसे होता रहता किसी अन्य प्रचारक या कोई तो दूसरा होता, या कोई तो और, ठीक है, तो यह अलग बात होती। लेकिन आप बात को देखते हैं, परमेश्वर ठीक वापस आकर और साबित करता हैं कि यह सत्य है। देखा? यही है जो इसे वास्तविक बनाता है, क्या परमेश्वर इसे सिद्ध कर रहा है। और फिर, केवल इतना ही नहीं, लेकिन उसका वचन कहता है कि वह इसे करेगा। यहाँ वह कर रहा है।

208 अब यदि आप सही नहीं हो, आपका ह्रदय परमेश्वर के साथ सही नहीं है, तो क्या आप बस अपना हाथ ऊपर उठाएंगे? कहे, "मेरे लिए प्रार्थना करना।" तो ठीक है, ठीक जहाँ पर आप है। लगभग आठ-दस हाथ ऊपर

उठे हुए हैं, अपने प्राण के लिए दया को चाहते हैं। जब आप अपने सिर झुकाए हुए हैं, अब आप प्रार्थना करें। याद रखें, आप वो एक है जो पश्चाताप करने वाले हैं। मैं केवल आपके लिए मांग रहा हूँ, कि परमेश्वर दया को करेगा। लेकिन यही वो वेदी है, परमेश्वर ने आपको एक स्थान में लाया है जो आपके मन में है; यही वो वेदी है। हम वेदी पर आने में विश्वास करते हैं, निश्चिय ही, लेकिन ऐसा नहीं है—ऐसा नहीं है... यह सब ठीक है। लेकिन आपकी सच्ची वेदी वहीं है जहां परमेश्वर आपसे मिलता हैं। और वह आपसे वहीं मिलता है जहां आप बैठे हुए हैं। वही आपकी वेदी है।

209 अब कहे, "परमेश्वर, मुझ पर दया करे, एक पापी पर। और इस दिन से लेकर, यदि आप मेरी सहायता करेगे, तो मैं आपके लिए जीऊंगा। मैं—मैं आपकी सेवा करूंगा। मैं चिंता नहीं करता कि कोई क्या कहता है, मैं आज सुबह बाहर निकल रहा हूं। मैं ठीक यहाँ प्रार्थना कर रहा हूं, और आप इस पुरानी शरारती आत्मा को मुझसे दूर करे। आप इस गुस्से को मुझसे दूर करे। मैं जानता हूँ कि मैं ऐसा नहीं कर सकता और मुझे परमेश्वर के साथ सही होना है। और मेरे ह्रदय में घृणा उत्पन्न होती है। मुझे जलन होती है। मैं द्वेष करता हूँ। मुझे *यह* है, *वो* है। इसे बाहर निकाले, परमेश्वर। मैं ऐसा नहीं होना चाहता। मुझे मधुर, और नम्र, और दीन बनाये। मुझे सुशील बनाये। मुझे एक ऐसा व्यक्ति बनाये कि मैं आपके लिए दूसरों को जीत सकूं। मैं आपके लिए कुछ तो करूं जिससे कि मेरे जीवन में प्रशंसा को दिखाऊं।" यही वो प्रार्थना है जिसे आप अभी प्रार्थना करे, जब हम एक साथ प्रार्थना करते हैं।

210 स्वर्गीय पिता, वे आपके हैं। वे आज सुबह संदेश के फल हैं। उन्होंने उनके हाथ को उठाया है। किसी ने तो उन्हें ऐसा करने को लगाया है। वे—वे जब उनके हाथ को उठाते हैं तो वे गुरुत्वाकर्षण के नियमों को चुनौती देते हैं। उनमें एक आत्मा था जिसने ये निर्णय लिया है। उन्होंने उनके हाथ को ऊपर उठाया, कि उन्होंने उस सृष्टिकर्ता को स्वीकार किया है जिसने उन्हें बनाया।

211 अब, स्वर्गीय पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें आशीष दीजिये, और उन्हें अब अनंत जीवन दीजिये। मैं कुछ भी नहीं कर सकता; उन्हें वेदी के पास बुलाना, उन्हें एक अतिरिक्त कमरे में रखना, सारे काम को करना। ऐसा—ऐसा करने के लिए ये आपको लेता है, प्रभु। हम वचन का प्रचार

करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते। आपने कहा, “विश्वास सुनने से आता है, वचन के सुनने से, परमेश्वर का वचन।” अब, हमने वचन का प्रचार किया है, और उन्होंने उनके हाथ को ऊपर उठाया है, कि उन्होंने इसे विश्वास किया है। अब उन्हें सनातन का जीवन दीजिये, क्योंकि आपने प्रतिज्ञा किया है कि आप इसे करेंगे। यदि वे उनके हाथ उठाने में सच्चे थे, तो आज सुबह वे इस भवन से बाहर जायेंगे, एक मधुर, दीन, नम्र मसीही होकर, क्योंकि आपने इसकी प्रतिज्ञा की थी। और आपके वचन विफल नहीं हो सकते। मैं इसे यीशु मसीह के नाम में माँगता हूँ। आमीन।

अब मैं निहारता हूँ, रुका हुआ हूँ और लालसा कर रहा हूँ,
उस उज्ज्वल नगर के लिए यूहन्ना ने नीचे आते हुए देखा।

उस उज्ज्वल नगर में…

अब आराधना करें.

… मोती के रंग का सफेद नगर,
मेरे पास एक महल, वीणा और एक मुकुट है;
अब मैं देख रहा हूँ, इंतज़ार कर रहा हूँ और तरस रहा हूँ,
उस उज्ज्वल नगर के लिए यूहन्ना ने नीचे आते हुए देखा।

212 क्या आप अब उससे प्रेम नहीं करते? संदेश अब समाप्त हुआ है। यह आराधना है। हम केवल एक संदेश सुनने के लिए ही कलीसिया में नहीं आते हैं। हम आराधना करने आते हैं। बस अपने पास वाले व्यक्ति को भूल जाये। केवल उसकी आराधना करे। ओह, कितना सुंदर! कितना अद्भुत! बस उसे बताये… आपको उसे ज़ोर से बताने की आवश्यकता नहीं है। बस उसे अपने हृदय में कहो, “प्रभु मैं आपसे प्रेम करता हूँ। मुझे मेरे पाप के लिए क्षमा करें।” ओह, प्रभु!

… मोती के रंग का सफेद नगर,
मेरे पास एक महल, वीणा और एक मुकुट है;

अब मैं निहारता हूँ, रुका हुआ हूँ और लालसा कर रहा हूँ,
उस उज्ञवल नगर के लिए यूहन्ना ने नीचे आते हुए देखा।

213 हमारे पिता परमेश्वर, हमें ग्रहण कीजिये। हम रुके हुए हैं, जब हम वचन को सुन रहे हैं, लालसा कर रहे है। "हमारे ह्रदय आपके लिए प्यासे है, जैसे हिरनी नदी के जल लिए हांफती है। हमारे प्राण आपके लिए प्यासे है, हे परमेश्वर।" लालसा कर रहे है और रुके हुए है, उस घड़ी के लिए रुके हुए है जब यीशु आएगा, उस समय के लिए रुके हुए है जब हमें आकाश में पुकारा जाएगा। ना ही न्याय में न्यायाधीश के समक्ष खड़े होने के लिए; यह हो चूका है। हम संसार की बातों के लिए मर चुके हैं, और मसीह में प्रवेश कर चुके हैं, और उसने हमारे न्याय को ले लिया। वह न्याय के आसन पर अब हमारा वकील हैं। हमारा धन्य वकील, कि, हमारे अंगीकार करने पर, वह हमारे मुकदमे को लड़ता है जब तक कि हम यह नहीं जान लेते कि हम अयोग्य हैं। जैसे आज सुबह एक प्यारी बूढ़ी बहन ने, उसकी गवाही में कहा, और उसके पैसो को डालते हुए, "जब से मैं यहाँ आयी हूँ मैंने सीखा है कि यह मेरी पवित्रता नहीं है, यह परमेश्वर की पवित्रता है।"

214 सच में, प्रभु, हम लोगों को सिखाते हैं, मनुष्य में कुछ भी अच्छा नहीं है, एक भी चीज नहीं। "मनुष्य क्या है कि तू उसके प्रति विचार करे?" लेकिन यह तो परमेश्वर का अनुग्रह है जो हमारे लिए प्रगट हुआ है। और हम केवल उसके गुणों पर भरोसा करते हैं, ना ही हमारे खुद के। और हम आपकी आराधना करते हैं, परम पवित्र परमेश्वर, आपकी भलाई के लिए, हमें आपके महान राज्य में, हमें आपकी महान योजनाओं में शामिल करने के लिए। हम आपको विश्वास के द्वारा हमारे हृदयों में ग्रहण करते हैं। और अनुग्रह के द्वारा, हम विश्वास करते हैं कि आपने इसे हमें परमेश्वर की महिमा के लिए, परमेश्वर की सेवा के लिए इसे दिया है।

215 अब, प्रभु, बीमारों को चंगा करे, जब वे आज सुबह प्रार्थना करवाने के लिए आते हैं। उन्हें उस आनंद को दीजिये, जो वे स्वस्थ होने की लालसा को रखते हैं। वे जान जाए कि यह छोटी सी, हल्की सी पीड़ा उन पर डाली गयी थी, बस ये छोटी सी परीक्षा का समय है। परमेश्वर इसके बारे में सब जानता है। उसने यह देखने के लिए किया कि हम इसके बारे में क्या करते

है। कैसे परमेश्वर... होने पाए वे वहां सीधे कदम को बाहर रखे और दावा करे कि काम पूरा हुआ है! होने पाए आप... होने पाए वे आपको क्रोध ना दिलाये, *यहाँ* और *वहां* भागने के द्वारा, और *अंदर* और *बाहर*, “तो, मैं *यह*, *वो* नहीं जानता।”

216 प्रभु, होने पाए वे सीधे स्थान में बने रहे, कहें, “प्रभु, आप ही वो एक थे जिसने मुझे बचाया। आप ही वो एक थे जिसने मेरे लिए इन कामो को किया। मैं आप पर विश्वास करता हूं, और मैं आज आप पर भरोसा करता हूं।” और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे लोगों को, मसीह के नाम में प्रदान करेंगे। आमीन।

इब्रानियों, अध्याय तीन HIN57-0901M

(Hebrews, Chapter Three)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 1 सितम्बर, 1957 को ब्रंहम टेबरनेकल जेफरसनविलें, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org